दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

ये अनोखे फेस्टिवल्स....

दिल्लू ने बनाया ......

वर्ष : 12 | अंक : 46 | लखनऊ, 07 फरवरी, शनिवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

भूकंप से हिला गोंडा 3.7 रही तीव्रता

गोंडा। शुक्रवार सुबह गोंडा भूकंप के झटकों से हिल गया। भूकंप की तीव्रता 3.7 मापी गई। इसका केंद्र इटियाथोक क्षेत्र के इटहिया नवीजोत गांव के आसपास बताया गया है।सुबह-सुबह अचानक धरती में कंपन महसूस होते ही लोग घरों से बाहर निकल आए। हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी प्रकार की धनहानि या जनहानि की सूचना नहीं मिली है।

17वीं मंजिल से बेकरी मालिक ने लगाई छलांग

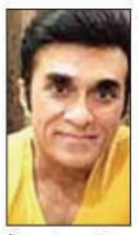

सोलापुर। महाराष्ट्र के सोलापुर में एक समय मशहूर रही मुल्तानी बेकरी के मालिक द्वारा आत्महत्या किए जाने की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। व्यक्ति की पहचान 60 वर्षीय सुनील सदारंगानी के रूप में हुई है। उन्होंने पनाश अपार्टमेंट की 17वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। पुलिस पड़ताल कर रही है।

सबरीमाला में सोना गायब, एक्टर को समन

सबरीमाला। सोने की चोरी के मामले में जांच जारी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने चोरी के मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए एक्टर जयराम को समन भेजा है। एजेंसी कथित मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी को भी समन भेजने की तैयारी कर रही है। वे बेल मिलने के बाद जेल से बाहर आए हैं।

जालंधर में आप नेता ओबेरॉय की हत्या

जालंधर। पंजाब के जालंधर में गुरुद्वारा साहिब के बाहर आप नेता लक्की ओबरॉय की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। सुबह-सुबह गोलियों की आवाज से इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात शुक्रवार सुबह उस समय हुई जब लक्की ओबरॉय मॉडल टाउन में गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेककर लौट रहे थे। बदमाशों ने आठ-दस राउंड फायरिंग की।

37 साल बाद दिल्ली में दौड़ेंगी डबल डेकर बसें

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की सड़कों पर एक बार फिर इतिहास अंगड़ाई लेने जा रहा है। करीब तीन दशक पहले दिल्ली की पहचान रही दो-मंजिला यानी डबल डेकर बसें एक बार फिर अपनी रफ्तार भरने के लिए तैयार हैं। 1989 के बाद ओझल ये बसें बिल्कुल नए रंग-रूप और आधुनिक सुविधाओं के साथ वापसी कर रही हैं। दिल्ली सरकार ने फैसला किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की यौन उत्पीड़न पीड़िता युवती के हक में दिया फैसला

महिला की मर्जी के बिना उसे मां बनने को मजबूर नहीं किया जा सकता, उसे बाध्य करना गलत

जस्टिस नागरत्ना और जस्टिस भुइयां की बेंच ने सुनवाई की

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की एक 18 साल की यौन उत्पीड़न पीड़िता युवती के हक में बड़ा फैसला दिया है। अदालत ने उसे 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी खत्म करने की अनुमति दे दी है। यह युवती तब गर्भवती हुई थी जब वह नाबालिग थी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा कि युवती की शारीरिक अखंडता और अपनी मर्जी से फैसला लेने का अधिकार सबसे ऊपर है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि कोई भी अदालत किसी महिला को अनचाही प्रेग्नेंसी जारी रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। जजों ने कहा कि अगर कोई महिला बच्चा नहीं चाहती, तो उसे इसके लिए बाध्य करना गलत होगा। बेंच ने युवती के वकील की दलीलों को स्वीकार करते हुए कहा कि अपीलकर्ता के बच्चे का मेडिकल तरीके से गर्भपात किया जा सकता है।

दुष्कर्म पीड़िता ने लगाई गर्भपात की गुहार

युवती की मर्जी को बताया सबसे ऊपर

सुप्रीम कोर्ट

फैसला लेना आसान नहीं था

जस्टिस नागरत्ना ने गंभीरता बात की। उन्होंने कहा कि यह फैसला लेना उनके लिए भी आसान नहीं था, क्योंकि जन्म लेने वाला बच्चा भी एक जीवन ही होता। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि जब लड़की बार-बार कह रही है कि वह बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती, तो उसकी इच्छा का सम्मान करना होगा।

अदालत ने अस्पताल को दिया आदेश

पीठ ने यह भी साफ किया कि मुद्दा यह नहीं है कि संबंध सहमति से बने थे या यह उत्पीड़न का मामला था। मुख्य तथ्य यह है कि होने वाला बच्चा वैध नहीं है और दूसरा, लड़की इस समय एक कठिन स्थिति में है और वह मां नहीं बनना चाहती। अगर मां के हितों को ध्यान में रखना है, तो उसे मर्जी से फैसला लेने का अधिकार दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के जेजे अस्पताल को आदेश दिया है कि वे लड़की की गर्भपात को मेडिकल तरीके से खत्म करें। साथ ही, अस्पताल को सभी जरूरी सुरक्षा नियमों और मेडिकल प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

सामाजिक कलंक और हक पर की अहम चर्चा

युवती के वकील ने तर्क दिया कि अवैध बच्चे को जन्म देने से जुड़े सामाजिक कलंक के कारण उसे गहरा मानसिक आघात पहुंचेगा। कोर्ट ने सहमति जताते हुए कहा कि अपीलकर्ता के अधिकारों की रक्षा करना अनिवार्य है, भले ही निर्णय लेने में देरी हुई हो। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति नागरत्ना ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया- हमें किसके हित को देखना चाहिए? एक अजन्मा बच्चा या वह मां जो उसे जन्म दे रही है? जस्टिस नागरत्ना ने चिंता जताई कि जब डॉक्टर कानूनी जटिलताओं के कारण मना कर देते हैं, तो महिलाएं मजबूरन झोलाछाप डॉक्टरों के पास जाती हैं, जो उनके जीवन के लिए खतरनाक है।

अधिकारों की रक्षा करना अनिवार्य

मां की प्रजनन स्वायत्तता को महत्व देना चाहिए

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पीठ ने कहा कि यहां मुख्य मुद्दा यह है कि लड़की गर्भावस्था जारी नहीं रखना चाहती। अदालत ने कहा कि यह प्रश्न नहीं है कि संबंध सहमति से था या नहीं। वास्तविकता यह है कि बच्चा अवैध है और मां बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती। मां की प्रजनन स्वायत्तता को महत्व दिया जाना चाहिए।

तलाक केस की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा

इस शादी डॉट कॉम का क्या करें?'

तलाक से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म शादी डॉट कॉम को लेकर चिंता जताते हुए एक अहम टिप्पणी की है। जब कोर्ट को बताया गया कि पति-पत्नी के बीच सुलह की तमाम कोशिशें नाकाम हो चुकी हैं और पति ने पिछले दो साल से अपनी पत्नी को देखा तक नहीं है, तो जस्टिस जेबी पारदीवाला ने मामले की पृष्ठभूमि पर सवाल उठाते हुए कहा कि शादी डॉट कॉम? आप शादी डॉट कॉम पर मिले थे? वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पति और पत्नी अलग-अलग रह रहे हैं। सुलह की कोशिशें बार-बार की गईं, लेकिन सफल नहीं रहीं। पति ने 2 सालों से पत्नी से मुलाकात तक नहीं की।जस्टिस ने टिप्पणी की इस शादी डॉट कॉम का हम क्या करें?

आपसी समाधान का प्रयास करें

कोर्ट ने आधुनिक ऑनलाइन मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म्स के जरिए बनी शादियों और उनके टिकाऊपन पर अप्रत्यक्ष रूप से सवाल उठाया।हालांकि कोर्ट ने मामले में कोई प्रतिकूल आदेश पारित नहीं किया, लेकिन जस्टिस पारदीवाला ने वकील से एक बार फिर सुलह की कोशिश करने का आग्रह किया है।

सीईओ ने मौजूदा स्थिति को बयां किया

एयर इंडिया का यह कायाकल्प टेस्ट के 5वें दिन जैसा लग रहा

प्रबंध निदेशक विल्सन ने कहा- प्रक्रिया के अंतिम चरण में प्रवेश किया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

एअर इंडिया का कायाकल्प अब किसी क्रिकेट टेस्ट मैच के पांचवें दिन की सुबह जैसा है, जहां खेल अपने निर्णायक मोड़ पर होता है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने एयरलाइन की मौजूदा स्थिति को बयां करने के लिए क्रिकेट की यह दिलचस्प उपमा दी है। विल्सन ने साफ किया है कि बदलाव की इस प्रक्रिया में 'भारी भरकम काम' (हैवी लिफ्टिंग) पूरा कर लिया गया है। सीईओ ने साफ कर दिया है कि एयरलाइन को मुनाफे में लाने में अभी और लंबा वक्त लग सकता है। जनवरी 2022 में निजीकरण के बाद से एयरलाइन अपने परिचालन और सेवाओं को विश्वस्तरीय बनाने की चुनौती से जूझ रही है और अब प्रबंधन का मानना है कि वे प्रक्रिया के अंतिम चरण में प्रवेश कर चुके हैं।

'क्रांति' से 'सुधार' की ओर बढ़ा सफर

दिल्ली हवाई अड्डे पर नई लाउंज के उद्घाटन के दौरान मीडिया से बातचीत में विल्सन ने कहा कि एयरलाइन का परिवर्तन अब 'क्रांति' (रिवोल्यूशन) के बजाय 'पुनरावृत्ति' (इटेरेशन) के चरण में है। उन्होंने बताया कि विमानों के डिजाइन और सर्टिफिकेशन से जुड़े सभी जटिल और बड़े काम पूरे हो चुके हैं। अब जो बाकी है, वह मुख्य रूप से एक यांत्रिक प्रक्रिया है। इसमें सीटों का निर्माण, उनकी डिलीवरी और विमानों में उनका इंस्टॉलेशन शामिल है। विल्सन ने कहा कि जिस स्थिति में एयरलाइन पहले थी और जहां आज है, उसमें बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि रिइंफोर्समेंट चक्र अब पॉजिटिव है और एयरलाइन इस प्रक्रिया के अंत के करीब है, हालांकि रोलआउट को पूरा करने में अभी थोड़ा वक्त लगेगा।

वर्क-स्ट्रीम पर काम अंतिम कगार पर

एयर इंडिया अपने बेड़े को पूरी तरह से नया रूप देने की प्रक्रिया में है, जिसमें वर्तमान में लगभग 190 विमान शामिल हैं। जनवरी में निजीकरण के बाद एयरलाइन को अपना पहला बोइंग 787-9 विमान प्राप्त हुआ। विल्सन ने बताया कि नवंबर 2024 में, जब उनकी महत्वाकांक्षी पंचवर्षीय योजना 'विहान.एआई' ने दो साल पूरे किए थे। इस साल एयरलाइन के 20 विमान या तो नए उत्पादों के साथ डिलीवर होंगे या उन्हें नए सिरे से रिफिट किया जाएगा। 22 अलग-अलग वर्क-स्ट्रीम पर काम चल रहा है, जो लगभग पूरा होने की कगार पर है।

सीएम उमर का बजट में ऐलान

यहां 554 स्कूलों में वोकेशनल एजुकेशन, 200 ई-बसें चलेंगी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश के लिए 1.13 लाख करोड़ का बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय योजना का मकसद केंद्र शासित प्रदेश में स्थायी विकास, सामाजिक सद्भाव और आर्थिक समृद्धि के लिए एक मजबूत नींव रखना है। अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में 2आयुष अस्पताल की घोषणा की। राजौरी, बारामूला और डोडा में कैथ लैब व उरी और पुंछ में इमरजेंसी अस्पताल खोले जाएंगे। एम्स कश्मीर 2026 में शुरू किए जाने का ऐलान किया गया। सीमावर्ती जिलों के लिए बुलेट प्रूफ एंबुलेंस सेवा भी शुरू होगी। 554 स्कूलों में वोकेशनल एजुकेशन की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने लक्ष्य रखा कि 200 नई ई-बसें चलाई जाएंगी। नए कल्चरल सेंटर बनाए जाएंगे। नौकरियों को बढ़ावा देने के लिए कठुआ और हंदवाड़ा बायोटेक पार्क को फिर से शुरू किया जाएगा। किसानों को भी सुविधाएं दी।

दिल्ली में खुला महाराजा लाउंच

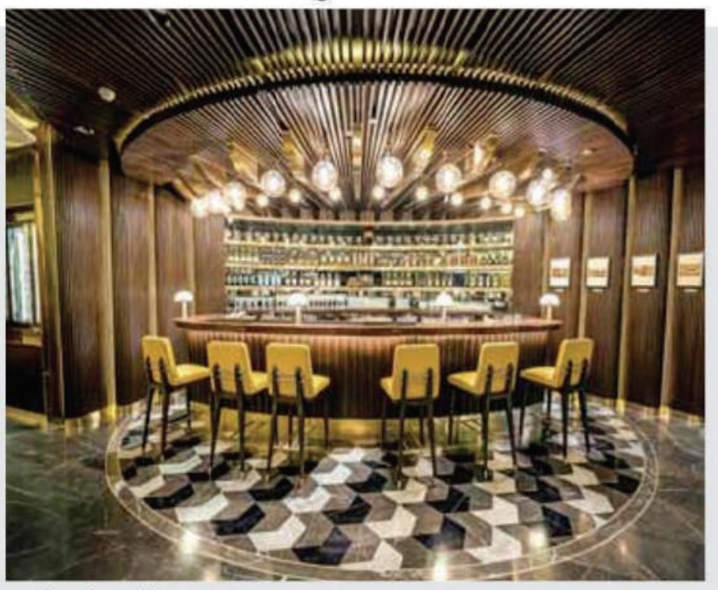

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे पर एयर इंडिया द्वारा खोला गया 'महाराजा लाउंज' का एक दृश्य।

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने वकील को दी जमानत

मुकदमे से पहले की हिरासत सजा नहीं ठोस सबूत बगैर कैद को बताया गलत

देश की संप्रभुता और अखंडता के उल्लंघन का था आरोप

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने अशोक चक्र को विरूपित करने वाले वकील को जमानत दे दी। उच्च न्यायालय ने देश की संप्रभुता और अखंडता का उल्लंघन करने के आरोपी 60 वर्षीय अधिवक्ता को जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि ठोस सबूतों के अभाव में याचिकाकर्ता को हिरासत में रखना उचित नहीं है।अदालत ने ऐसा यह देखते हुए किया कि ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया गया।

उच्च न्यायालय ने सुनाया आदेश

आदेश में कहा गया कि अदालत को साक्ष्यों का विस्तृत विश्लेषण करने कि जरूरत नहीं है कि अधिवक्ता का कथित कृत्य बीएनएस की धारा 152 के अंतर्गत आता है या नहीं, इन मुद्दों का निर्णय मुकदमे के दौरान किया जाना है।

होली के निकट आने पर लोगों की आवाजाही बढ़ी

रेलवे चलाएगा 1410 स्पेशल ट्रेन, यूपी-बिहार होंगे लाभान्वित

जरूरत पड़ने पर ट्रेनों की संख्या 1500 तक बढ़ाई जाएगी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

होली का त्योहार नजदीक आते ही देशभर में यात्रियों की आवाजाही तेज होने लगी है। रंगों के इस पर्व को मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने अपने घरों की ओर रवाना होंगे। ऐसे में रेलवे ने स्टेशन पर बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे ने खास तैयारी की है। रेलवे ने ऐलान किया है कि होली 2026 के दौरान रिकॉर्ड 1410 से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसके साथ ही जरूरत पड़ने पर इन ट्रेनों की संख्या 1500 तक बढ़ाई जा सकती है। रेलवे ने साल 2025 में होली के लिए कुल 1144 स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया था। रेल मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय रेल हर बड़े त्योहार के दौरान यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुचारू परिचालन के लिए लगातार प्रतिबद्ध है।

पूर्व मध्य रेलवे 285 स्पेशल ट्रेनें चलाएगा

रेल मंत्रालय ने जोन के हिसाब से होली स्पेशल ट्रेनों का संचालन तय किया है। इसमें पूर्व मध्य रेलवे सबसे आगे है। यहां से 285 स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएगी। इसके बाद पश्चिम रेलवे पश्चिमी रूटों पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए 231 ट्रेन चलाए जाने की योजना है। मध्य रेलवे की ओर से 209 होली स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। दक्षिण मध्य रेलवे कुल 160 ट्रेनों का संचालन करेगा। उत्तर रेलवे 108 और उत्तर पश्चिम रेलवे 71 स्पेशल ट्रेन चलाने की योजना पर काम कर रहा है।

बाकी जोन में भी बढ़ेंगी सुविधाएं

बाकी जोन के लिए भी स्पेशल ट्रेनों का प्लान तैयार किया है। दक्षिण पश्चिम रेलवे द्वारा 47 ट्रेनें चलाई जाएंगी। पश्चिम मध्य रेलवे ने 43 ट्रेन चलाएगा।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा

सिलीगुड़ी रेलवे टनल होगी नॉर्थ ईस्ट कनेक्टिविटी के लिए वरदान

गुवाहाटी। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर से होकर प्रस्तावित अंडरग्राउंड रेलवे टनल का स्वागत किया। उन्होंने इसे एक गेम-चेंजिंग पहल बताते हुए कहा कि इससे नॉर्थईस्ट और देश के बाकी हिस्सों के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। यात्रियों और सामान की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित हो सकेगी। यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है।भारत के नॉर्थईस्ट के साथ रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूती देगा। यह क्षेत्र ('चिकन नेक') लंबे समय से जमीनी कनेक्टिविटी के लिए सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर निर्भर रहा है।

भाजपा-एआईएमआईएम ने मिलाया हाथ

अमरावती में भाजपा के तेजवानी बने महापौर, सचिन उपमहापौर

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

महाराष्ट्र की अमरावती महानगरपालिका के मेयर चुनाव में राजनीति के अप्रत्याशित समीकरण सामने आए हैं। भाजपा की कट्टर विरोधी मानी जाने वाली एआईएमआईएम की पार्षद मीरा कांबले ने ऐन वक्त पर भाजपा उम्मीदवार श्रीचंद तेजवानी के पक्ष में मतदान किया। इससे भाजपा के श्रीचंद तेजवानी अमरावती के मेयर निर्वाचित हो गए। उपमहापौर पद के लिए भी चुनाव हुआ, जिसमें युवा स्वाभिमान पार्टी के सचिन भेंडे को उपमहापौर चुना गया।

सत्ता साझेदारी का फार्मूला

अमरावती महानगरपालिका में अब महायुति की सत्ता है। इसमें भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट), राकांपा (अजित पवार गुट) और युवा स्वाभिमान पार्टी शामिल हैं। श्रीचंद पहले 1.5 वर्ष तक मेयर रहेंगे, इसके बाद भाजपा के ही आशीष अतकरे 1.5 वर्ष के लिए मेयर होंगे।

संस्कार व संस्कृति से ही बनेगा समृद्ध उत्तराखंड

अमन लेखनी समाचार

- ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक शिक्षा ढांचा डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता
- विद्यालय संस्कार व कौशल विकास के केंद्र भी बनें

यमकेश्वर/पौड़ी गढ़वाल। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उत्तराखंड दौरे पर पौड़ी गढ़वाल के यमकेश्वर स्थित इंटर कॉलेज के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भौतिक विकास जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं होता, बल्कि वह केवल आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम है। वास्तविक और सार्थक विकास वही है, जो अपनी सभ्यता, संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों का संरक्षण करते हुए आगे बढ़े। शिक्षा केंद्रों को इसी सोच के साथ स्वयं को तैयार करना होगा, ताकि विद्यालय केवल पुस्तक ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि संस्कार, कौशल और जीवन निर्माण के केंद्र बनें। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यालय के मेधावी छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

नवनिर्मित इंटर कॉलेज भवन के लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भव्य शैक्षणिक भवन अब छात्रों व शिक्षकों को समर्पित हो चुका है। शीघ्र ही यहां आवश्यक फर्नीचर सहित सभी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। डबल इंजन की उत्तराखंड सरकार का स्पष्ट फोकस ग्रामीण क्षेत्रों में भी अत्याधुनिक शिक्षा व स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने पर है, ताकि विद्यार्थियों को गांव छोड़कर शहरों की ओर पलायन न करना पड़े और वे अपने क्षेत्र में रहकर ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड अपनी स्थापना के रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है और यह कालखंड केवल भौतिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक व आध्यात्मिक मूल्यों के संरक्षण के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को छूने का अवसर है। विकास एकांगी नहीं हो सकता, यदि सभ्यता और संस्कृति सुरक्षित नहीं रहेंगी, तो भौतिक प्रगति भी अर्थहीन सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने सनातन परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि गोत्र व्यवस्था, ऋषि परंपरा के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है। प्राचीन काल के गुरुकुल केवल अध्ययन के केंद्र नहीं थे, बल्कि कृषि, आयुर्वेद, कौशल व जीवन मूल्यों के प्रशिक्षण के समग्र केंद्र थे। वहां से निकला विद्यार्थी जीवन के किसी भी संघर्ष में स्वयं को असहाय नहीं पाता था। कोई कार्य उसके लिए न छोटा होता था, न कठिन। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में वही व्यक्ति सफल होता है, जो सकारात्मक सोच के साथ अपने पुरुषार्थ व परिश्रम से आगे बढ़ता है। नकारात्मकता व्यक्ति को दुर्गति की ओर ले जाती है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग विद्यालयों में मां सरस्वती की प्रार्थना पर भी सवाल उठाते हैं। मां सरस्वती किसी जाति, मत या संप्रदाय की नहीं हैं, जो मेहनत करता है और सही दिशा में सोचता है, उस पर उनकी कृपा स्वतः होती है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इसी सोच को आगे बढ़ाती है कि विद्यालय केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि स्किल डेवलपमेंट और समग्र व्यक्तित्व निर्माण के केंद्र बनें। मुख्यमंत्री ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि 1965 में जब यह इंटर कॉलेज स्थापित हुआ था, तब न बिजली थी, न सड़कें और न आधुनिक साधन। आज गांव-गांव में बिजली, पेयजल, सड़कें और बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध है। यमकेश्वर महादेव मंदिर, जहां पहले पैदल यात्रा ही एकमात्र साधन थी, आज बेहतर संपर्क व्यवस्था से जुड़ चुका है। पहले का विद्यालय भवन जर्जर स्थिति में था, आज भव्य भवन उपलब्ध है। सरकार ने सुविधाएं दी हैं, अब शिक्षकों का दायित्व है कि शिक्षा की गुणवत्ता को उसी स्तर तक पहुंचाएं और छात्रों का कर्तव्य है कि वे पूरे मनोयोग से अध्ययन करें। विद्यालय केवल शिक्षा के ही नहीं, बल्कि संस्कृति और सभ्यता के भी आधार स्तंभ होने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है। यहां का युवा देश की सीमाओं की रक्षा करता है और हर क्षेत्र में अपनी प्रभावी भूमिका निभाता है। हिमालय से निकलने वाला जल पूरे उत्तर भारत की भूमि को उपजाऊ बनाता है और देश की खाद्यान्न सुरक्षा में योगदान देता है। सरकार चाहती है कि हर स्तर पर मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित हो, लेकिन उसका सही उपयोग समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने गांवों को पलायन से बचाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि गांव हमारी सभ्यता की जड़ हैं। जड़ जितनी मजबूत होगी, समाज उतना ही स्थिर और समृद्ध होगा। गांवों को शिक्षा, नवाचार, शोध और आत्मनिर्भरता के केंद्र के रूप में विकसित करना होगा। पहले गांव आत्मनिर्भर थे, सरकार पर निर्भरता न्यूनतम थी।

कुत्तों से निजात दिलायेंगे शेल्टर होम व एबीसी सेंटर

कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं पर योगी सरकार गंभीर

- शेल्टर होम्स के लिए डीपीआर मंजूर, प्रति यूनिट 470 से 531 लाख होंगे खर्च
- प्रयागराज और लखनऊ सहित कई नगर निगमों में भूमि चिह्नित

लखनऊ। प्रदेश में आवारा कुत्तों की समस्या और कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं को योगी सरकार ने गंभीरता से लिया है। जन सुरक्षा से जुड़े इस मुद्दे पर सख्त व ठोस कदम उठाते हुए प्रदेश सरकार ने नगर निगमों एवं जनपद मुख्यालयों पर डॉग शेल्टर होम व एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर की स्थापना प्रक्रिया तेज कर दी है। शासन स्तर पर इसे प्राथमिकता देते हुए भूमि चिह्नीकरण, बजट निर्धारण और परियोजना स्वीकृति की कार्रवाही एक साथ आगे बढ़ाई जा रही है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में गाइडलाइंस जारी की थीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान मानवीय, वैज्ञानिक व स्थायी तरीके से किया जाए। सरकार का मानना है कि डॉग शेल्टर होम और एबीसी सेंटर की प्रभावी व्यवस्था से जहां एक ओर आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, वहीं दूसरी ओर पशु कल्याण को भी मजबूती मिलेगी। नगर निगम क्षेत्रों में पहले से संचालित अथवा प्रस्तावित एबीसी सेंटरों के साथ ही डॉग शेल्टर होम विकसित किए जाएंगे। इसके लिए प्रत्येक नगर निगम को निर्देशित किया गया है कि वह उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराए और आवश्यक प्रशासनिक औपचारिकताओं को शीघ्र पूर्ण करे। शासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यह पूरी प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस व पशु कल्याण से जुड़े मानकों के अनुरूप की जा रही है। सरकार ने डॉग शेल्टर होम के लिए अलग से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार प्रति शेल्टर होम 470 लाख रुपये से लेकर 531 लाख रुपये तक लागत आने का अनुमान है। डीपीआर में शेल्टर होम की क्षमता, इन्फ्रास्ट्रक्चर, पशु चिकित्सा सुविधाएं, भोजन, स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था और प्रशिक्षित स्टाफ की तैनाती जैसे सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल किया गया है। शासन स्तर पर इन डीपीआर को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान कर दी गई है और अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप अगले चरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रगति रिपोर्ट के अनुसार प्रयागराज नगर निगम क्षेत्र में ग्राम मऊर उपरहट, तहसील सोरांव में डॉग शेल्टर होम के लिए भूमि चिह्नित कर ली गई है। लखनऊ नगर निगम में भूमि की उपलब्धता को लेकर कार्यकारिणी बोर्ड से प्रस्ताव स्वीकृत हो चुका है। वहीं अन्य नगर निगमों से भी सूचना प्राप्त की जा रही है, ताकि पूरे प्रदेश में एक समान व्यवस्था लागू की जा सके।

जनपद मुख्यालयों पर भी एबीसी सेंटर एवं शेल्टर होम की स्थापना को लेकर तेजी से कार्यवाही की जा रही है। ललितपुर में 12.182 हेक्टेयर, हरदोई में 0.2 हेक्टेयर, बुलंदशहर में 2000 वर्ग मीटर तथा फतेहपुर में 0.769 हेक्टेयर भूमि एबीसी सेंटर एवं डॉग शेल्टर होम के लिए चिह्नित कर ली गई है। शेष जनपदों से सूचनाएं प्राप्त होते ही वहां भी भूमि चिह्नीकरण और परियोजना स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी।

गोवंश संरक्षण का राष्ट्रीय मॉडल बनकर उभरा उत्तर प्रदेश

- यूपी में सबसे ज्यादा रिकॉर्ड 16 लाख निराश्रित गोवंश संरक्षित
- पूरे प्रदेश में 7500 से ज्यादा गोआश्रय स्थल बनाए गए

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने गोवंश संरक्षण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। योगी सरकार ने अब तक देश में सबसे अधिक रिकॉर्ड 16.35 लाख निराश्रित गोवंश का संरक्षण किया है। इससे पहले किसी भी राज्य में गोवंश संरक्षण को लेकर इतनी व्यापक, संगठित और प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई। वर्तमान में उत्तर प्रदेश गोवंश संरक्षण का राष्ट्रीय मॉडल बनकर उभरा है।

योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद से अब तक प्रदेशभर में 7500 से अधिक गोआश्रय स्थलों का निर्माण कराया गया। जहां निराश्रित गोवंश के लिए चारा, पानी, इलाज और देखभाल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई। यही नहीं, सरकार ने हर जिले में गो संरक्षण समितियों का गठन करते हुए जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को इसका नोडल अधिकारी बनाया, जिससे निगरानी और जवाबदेही मजबूत हुई। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना और पोषण मिशन के अंतर्गत अब तक 1,13,534 पशुपालकों को 1,81,339 गोवंश उपलब्ध कराए गए, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली और पशुपालकों की आय में वृद्धि हुई। गोवंश संरक्षण को आजीविका से जोड़कर योगी सरकार ने इसे आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम भी बनाया है। सीएम योगी के नेतृत्व में गो तस्करी के खिलाफ सख्त अभियान चलाया गया।

बड़े पैमाने पर गो तस्करों की गिरफ्तारी, वाहनों की जब्ती और नेटवर्क तोड़ने की कार्रवाई से प्रदेश में गोतस्करी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ। इससे न केवल गोवंश सुरक्षित हुआ, बल्कि कानून-व्यवस्था भी सुदृढ़ हुई। गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि धरती, कृषि, प्रकृति और मानव जीवन सभी के लिए गोमाता सबसे बड़ा आशीर्वाद हैं।

जनता सेवा बसों के चालकों-परिचालकों का मानदेय बढ़ा

ग्रामीण यात्रियों को 20% कम किराये का मिलेगा लाभ

अमन लेखनी समाचार

- 14 पैसे प्रति किमी अतिरिक्त होगा भुगतान

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने ग्रामीण अंचलों में सार्वजनिक परिवहन को अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम से संचालित मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के अंतर्गत चल रही बसों के संचालन के लिए चालकों व परिचालकों को दिए जाने वाले मानदेय में 14 पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि की गई है। यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। इस फैसले से एक ओर जहां ग्रामीण क्षेत्रों में बस संचालन से जुड़े कर्मियों को आर्थिक संबल मिलेगा, वहीं दूसरी ओर आम ग्रामीण यात्रियों को कम किराये में सुरक्षित और सुगम परिवहन सुविधा निरंतर उपलब्ध होती रहेगी।

परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि अब तक मुख्यमंत्री जनता सेवा के अंतर्गत संविदा चालकों और परिचालकों को 2.18 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से भुगतान किया जा रहा था।

ताजा निर्णय के तहत अब यह दर बढ़ाकर 2.32 रुपये प्रति किलोमीटर कर दी गई है। मानदेय में की गई यह वृद्धि बस संचालकों और सेवा प्रदाताओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगी, जिससे ग्रामीण मार्गों पर बसों का नियमित, सुरक्षित और सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा। परिवहन मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के अंतर्गत संचालित बसों का किराया साधारण बसों की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत कम रखा गया है। इसका सीधा लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले यात्रियों को मिल रहा है, जिन्हें कम किराये में अपने गंतव्य तक पहुंचने की सुविधा उपलब्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की प्राथमिकता है कि ग्रामीण अंचलों में रहने वाले नागरिकों को भी शहरी क्षेत्रों के समान किफायती और सुलभ परिवहन सुविधाएं मिलें। परिवहन विभाग के अनुसार, मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के अंतर्गत प्रदेश के सभी 20 क्षेत्रों में कुल 395 अनुमन्य मार्गों पर 299 बसों का संचालन किया जा रहा है। यह योजना ग्रामीण परिवहन को सशक्त बनाने की दिशा में योगी सरकार का एक बड़ा और प्रभावी कदम मानी जा रही है। इस योजना से ग्रामीण इलाकों में न केवल आवागमन आसान हुआ है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बाजार तक पहुंच भी बेहतर हुई है।

माघ मेला में 21 करोड़ लोगों ने किया पुण्य स्नान

संस्कृति-आधारित सुशासन का नया ब्लूप्रिंट बना माघमेला

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज। संगम तट आयोजित माघ मेला 2026 ने अब तक के अपने सभी माघ मेलों के आयोजन को पीछे छोड़ दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता और सतत निगरानी के चलते इसे मिनी कुंभ जैसी पहचान ही हासिल नहीं हुई बल्कि संस्कृति, सुशासन, सामाजिक समरसता और आत्मानुशासन की अभिव्यक्ति का यह अद्भुत समागम बन गया।

संगम नगरी प्रयागराज में पावन त्रिवेणी के तट पर आयोजित माघ मेला 2026 भारत की संस्कृति पर आधारित गवर्नेंस का ऐसा ब्लू प्रिंट बन रहा है जिसका अन्य कहीं कोई उदाहरण देखने को नहीं मिलता। माघ मेला अधिकारी ऋषिराज के अनुसार पौष पूर्णिमा स्नान पर्व के साथ 3 जनवरी से शुरू हुए इस आयोजन के पांच प्रमुख स्नान पर्व सकुशल संपन्न हो जाने के बाद यहां 21 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पावन गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती में पुण्य की डुबकी लगाकर अपना संकल्प पूरा कर चुके हैं। अभी आखिरी स्नान पर्व महा शिवरात्रि शेष है। मेला प्रशासन 15 फरवरी को इसके सकुशल समापन की तैयारी में लगा है। पूर्ण अनुशासन के साथ आस्था का जन सैलाब यहां आया और सनातन की बयार की झलक दिखाकर आगे बढ़ गया। कुंभ और महाकुंभ को यदि सनातन के 13 अखाड़ों के वैभव का महा आयोजन माना जाता है तो माघ मेला त्रिवेणी की रेती पर एक महीने तक प्रवास करने वाले कल्पवासियों का समागम। इस बार 5 लाख से अधिक कल्पवासियों ने यहां कल्पवास किया जिन्हें प्रशासन की तरफ से हर तरह की सहूलियत मिली। कल्पवासियों को तीर्थ पुरोहित ही अपने तंबुओं से बने शिविरों में बसाते हैं। पहली बार तीर्थ पुरोहितों के लिए अलग से प्रयागवाल नगर बसाया गया। सभी तरह के जाति, उप-जाति का भेद भुलाकर मां गंगा के पावन जल में स्नान कर इन कल्पवासियों ने अपने संकल्प पूर्ण किए। इस बार का माघ मेला सबसे अधिक विस्तारित क्षेत्र में बसाया गया। माघ मेला अधिकारी ऋषिराज के अनुसार माघ मेले का इस बार 800 हेक्टेयर तक विस्तार किया गया। मेला क्षेत्र में पहली बार सात सेक्टर और 9 पांटून पुल बनवाए गए। आवागमन सुगम बनाने के लिए मेला क्षेत्र में पहली बार गोल्फ कार्ट सेवा की शुरूआत हुई। बसंत पंचमी तक 35 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने इसकी सेवा ली। इसके अलावा शहर के अलग अलग हिस्सों से श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र पहुंचाने के लिए बाइक टैक्सी सेवा शुरू की गई।

शादी से लौट रहे दंपति पर हमला, युवक घायल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र में शादी समारोह से लौट रहे एक दंपति पर दबंगों ने हमला कर दिया। मारपीट में युवक घायल हो गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने एक नामजद समेत तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। काकोरी कस्बे के चौधरी मोहल्ला निवासी किशन कुमारी पत्नी अनिल कुमार ने मलिहाबाद थाने में दी गई तहरीर में बताया कि बीते चार फरवरी 2026 को वह अपने पति और परिवार के साथ मायके मवई फत्तेपुर गांव में आयोजित शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रही थीं। जैसे ही उनका वाहन मलिहाबाद थाना क्षेत्र के नजर नगर गांव के पास पहुंचा, तभी बेलगढ़ा निवासी सचिन अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ रास्ता रोककर गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि आरोपियों ने पहले पीड़िता के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। विरोध करने पर उसके पति अनिल कुमार पर लाठी-डंडों और लात-घूंसों से हमला कर दिया गया। हमले में अनिल के सिर में गंभीर चोट आई, जिससे वह लहूलुहान हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता ने मलिहाबाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में मलिहाबाद अतिरिक्त इंस्पेक्टर सुरेंद्र मिश्रा ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

घायल अनिल – फोटो

प्लॉट की पैमाइश के दौरान अधिवक्ता पर जानलेवा हमला करने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र के खुर्रमपुर निवासी अधिवक्ता अभिषेक चौहान ने अजय नामक युवक के खिलाफ प्लॉट की पैमाइश के दौरान जानलेवा हमला करने की बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित अधिवक्ता अभिषेक चौहान के मुताबिक गुरुवार दोपहर को वह अपने पिता के साथ लेखपाल द्वारा प्लॉट की पैमाइश कराने गया था। इसी दौरान अजय पुत्र स्व. रामराज ने अचानक उस पर लोहे की रॉड, बेलचा और डंडे से हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावर ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित का कहना है कि यदि वह मौके से भागकर अपनी जान न बचाता तो उसकी हत्या कर दी जाती। पीड़ित का कहना है कि घटना का वीडियो भी उसके पास है। फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बाइक सवार बुजुर्ग को कार ने मारी टक्कर हालत गंभीर, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के वृंदावन योजना सेक्टर 14 में बीते बुधवार शाम बाइक सवार बुजुर्ग को कार चालक ने लापरवाही से कार चलाते हुए टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पीजीआई कोतवाली पुलिस ने घायल को एपेक्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घायल बुजुर्ग के धीरेंद्र कुमार ने बताया कि वह फिरंगी खेड़ा रुचि खंड 2, लखनऊ में रहते हैं, उनके पिता गौतम प्रसाद किसी काम से वृन्दावन योजना में आए थे, वहां से घर लौट रहे थे, अभी वह एपेक्स ट्रामा सेन्टर के पास पहुंचे थे कि पीछे से आ रही वैगन आर कार जिसका नं0 यूपी 32ॠ 0774 ने पिता की मोटर साइकिल में टक्कर मार दी, जिससे प्रार्थी के पिता बहुत गंभीर हालत में है उनको एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है।

दुपट्टे से फांसी लगाकर युवक ने दी जान

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई थाना क्षेत्र के तेलीबाग स्थित शिव विहार कॉलोनी में गुरुवार दोपहर एक युवक ने दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना 112 कंट्रोल रूम पर मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जानकारी के अनुसार महेश (39) पुत्र बाबूराम, निवासी 591त्र/972 शिव विहार कॉलोनी, तेलीबाग, थाना पीजीआई, दोपहर करीब 1 से 2 बजे के बीच घर के अंदर के सहारे फांसी के फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने देखा तो शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग जुट गए और पुलिस को सूचना दी गई। परिजनों के मुताबिक महेश जन्म से बोल नहीं पाता था और मानसिक रूप से भी अस्वस्थ रहता था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर युवक झुलसा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के झब्बा खेड़ा गांव में शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। गांव निवासी मंदबुद्धि युवक कमलेश (36) घर के बाहर लगे विद्युत पोल पर चढ़ गया और 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का तार पकड़ लिया। करंट लगते ही वह नीचे गिर पड़ा और गंभीर रूप से झुलस गया। घटना शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे की बताई जा रही है। घायल की पत्नी सत्यवती के अनुसार, कमलेश अचानक घर के बाहर लगे बिजली के खंभे पर चढ़ गया और ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को पकड़ लिया। लाइन चालू होने के कारण तेज करंट की चपेट में आते ही वह नीचे गिर पड़ा। हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिजन तत्काल घायल को मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया। पत्नी ने बताया कि कमलेश की मानसिक स्थिति पिछले करीब पांच वर्षों से ठीक नहीं है। उसके दो छोटे बच्चे हैं। बताया गया कि घटना के समय परिवार में चाचा के पोते का मुंडन संस्कार चल रहा था।

करंट से झुलसा युवक

सूचना विभाग में भ्रष्टाचार का बोलबाला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास विभाग होने के बाद भी अधिकारियों/कर्मचारियों में जरा भी नहीं है डर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सूचना विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है, मुख्यमंत्री के पास विभाग होने के बावजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों में किसी प्रकार का कोई डर नहीं है, खुलेआम भ्रष्टाचार जारी है। उत्तर प्रदेश सूचना निदेशालय में जिसकी सांठ गांठ होती उसी के पेपर को विज्ञापन मिलता है और जिसकी कोई सांठ गांठ नहीं होती है उसको विज्ञापन न मिलना दूर की कौड़ी है। सूचना विभाग में सभी काम जुगाड से ही होते हैं यदि आपका जुगाड है तो आपको विज्ञापन भी मिलेगा और पत्रकार की मान्यता भी हो जाएगी यदि आपके पास कोई जुगाड नहीं है तो यहाँ कुछ भी हो पाना सम्भव नहीं है। विज्ञापन लेना है तो कमीशन देना ही पड़ेगा यदि कमीशन नहीं देंगे तो विज्ञापन भूल जाइए, यही नहीं विज्ञापन का कमीशन भी चालीस से पचास प्रतिशत तक होता है, यदि आपकी पहुंच ठीक ठाक हुई तो विज्ञापन का कमीशन चालिस प्रतिशत हो जाएगा, यदि पहुंच नहीं है तो पचास प्रतिशत देना होगा अन्यथा विज्ञापन नहीं मिलेगा। बताते हैं कि कई वर्षो से पत्रकारों की मान्यता सम्बन्धी प्रार्थना पत्र लम्बित पड़े हैं मान्यताएं नहीं हो रही हैं लेकिन जुगाड वाले कई लोगों की मान्यता पूर्व में हो चुकी हैं। सूचना विभाग में बड़े अखबार वाले और जुगाड वालों का बोलबाला है, भ्रष्टाचार चरम पर है, यह विभाग मुख्यमंत्री के पास होने के बाद भी खूब भ्रष्टाचार हो रहा है, अधिकारी, कर्मचारी और दलाल मालामाल हो रहे हैं। कहावत है चिराग तले अंधेरा, यह कहावत चरितार्थ हो रही है, जब मुख्यमंत्री आवास एवं कार्यकाल से मात्र कुछ दूरी पर स्थित सूचना निदेशालय में भ्रष्टाचार का यह आलम है तो अन्य विभागों की स्थिति का अंदाजा सहजता से लगाया जा सकता है।

नशे धुत टाटा लोडर के चालक ने आगे चल रही कार में मारी टक्कर, कार क्षतिग्रस्त, दो घायल

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर 7 शहीद पथ पर आगे चल रही कार को, नशे में धुत टाटा लोडर के चालक ने पीछे से टक्कर मार दी जिससे कार सवार महिला, पुरुष घायल हो गए, वहीं कार पूरी तरह ध्वस्त हो गई, पीड़ित कार चालक ने आरोपी टाटा लोडर चालक के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रतीक मिश्रा निवासी-अलीगंज लखनऊ, बैंक कर्मचारी हैं, उन्होंने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह बीते बुधवार शाम करीब पौने 11 बजे बैंक की सहकर्मी और गाडी की ऑनर शिवानी सिंह के साथ उनकी कार से यूपी 32 एन एम 3205 से गोमतीनगर से एयरपोर्ट की तरफ जा रहा थे। चिरैया बाग, सेक्टर 7 शहीद पथ पर जब पहुँचा तब अचानक से एक पीछे अनंयत्रित पिकअप डाले ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे प्रतीक मिश्रा और शिवानी सिंह घायल हो गई। और कार क्षतिग्रस्त हो गई। टाटा इंट्रा के चालक जिसने अपना नाम विकास बताया नशे में धुत था, और अपनी गलती स्वीकार कर मौके से फरार हो गया। पीड़ित का कहना था कि मौके पर पहुंची पुलिस ने भी देखा कि पूरी गाडी शराब से भरी हुई थी। पीजीआई कोतवाली पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है।

दूध लेने गए पूर्व सैनिक, और उसके बेटे को दर्जन भर दबंगों ने मारपीट कर किया घायल

दूध बेचने वाले और उनके साथियों पर आरोप।

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के वृंदावन योजना सेक्टर 5डी/55 में रहने वाले एक पूर्व सैनिक, और उनके बेटे को दर्जन भर दबंगों ने मारपीट कर घायल कर दिया, उनकी बाइक तोड़ डाली, शोर मचाने पर जुटे लोगों ने 112 पर पुलिस को सूचना दी, पुलिस की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची, जिनको देख आरोपी मौके से भाग निकले, पीड़ित ने पीजीआई कोतवाली पुलिस को नामजद तहरीर दी है पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। पीड़ित दीपक यादव ने बताया कि उनके पिता ब्रजेश यादव, पूर्व सैनिक हैं, वृन्दावन योजना सेक्टर 5डी में परिवार संग रहते हैं, उन्होंने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह शुक्रवार सुबह दूध लेने के लिए घोसियाना, गए हुए थे, वह आरोपी सोनू उर्फ सानू से दूध लेते हैं। कई दिनों से दूध में पानी की शिकायत थी, उसी को लेकर पीड़ित ने सोनू से दूध ठीक देने को कहा, जिस पर वह आक्रोशित हो गया, तो पीड़ित ने एडवांस में दिए गए अपने 12 हजार रूपए वापस मांगे, और उनके यहां से दूध लेने से मना कर दिया। जिस पर माहौल और गर्म हो गया, आरोप है कि, आरोपी सोनू उर्फ सानू, लाला, इनके साथ करीब 10 से 12 अन्य लोगों ने लाठी डंडों से हमला कर दिया, जिससे पीड़ित ब्रजेश यादव, और उनका बेटा दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया, उनकी बाइक भी तोड़ डाली। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

संक्षेप

अराजकतत्वों ने फुलवरी में किया उथल पुथल

अमन लेखनी समाचार

गंजमुरदाबाद, उन्नाव। प्रसिद्ध देवी मंदिर से कांवड़ यात्रा निकलने के बाद रात के समय अराजक तत्वों ने धार्मिक स्थल की फुलवारी उथल पुथल कर दी गई तथा कुछ पौधों को काट दिया गया शुक्रवार की सुबह महिलाओं के मंदिर पहुंचने पर घटना की जानकारी हुई तमाम लोगों ने एक साथ पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है।गौरतलब हो गुरुवार की शाम नगर के मोहल्ला आनंदी टोला स्थित आनंदी देवी मंदिर परिसर से दर्जनों श्रद्धालु भक्तों द्वारा कांवड़ यात्रा हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें से दो कांवड़ों को मंदिर से लोधेश्वर महादेव मंदिर बाराबंकी के लिए रवाना किया गया यह कार्यक्रम गुरुवार को देर शाम तक चलता रहा कार्यक्रम समापन के समय रात में मंदिर का दरवाजा बंद कर दिया गया शुक्रवार की सुबह मंदिर पहुंची कुछ महिलाओं ने फुलवारी उथल पुथल देखी तो सूचना दी जिससे दर्जनों मोहल्ले वासी एकत्र हो गए कहा जा रहा है मंदिर के अंदर दीवार फांदकर कोई अराजक तत्त्व घुस गया तथा परिसर की फुलवारी उथल पुथल कर दी तथा कई पौधों को काट डाला तथा कई पौधे उखाड़ दिए जिससे आस्था के केंद्र पर अराजक तत्वों की कार्यशैली से आहत प्रदीप,देवेंद्र, रंजीत ,रामनरेश,मुकेश आदि सहित करीब 20 लोगों ने चौकी पहुंच सामूहिक हस्ताक्षर युक्त सूचना तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है।चौकी प्रभारी अनिल कुमार साहू ने कहा है तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

क्रिकेट टूनार्मेंट के फाइनल मुकाबले में दसदान की टीम ने रसूलपुर रूरी को किया पराजित

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्र के ग्राम जोगीकोट में आयोजित क्रिकेट टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला रसूलपुर और दसदान की टीमों के बीच खेला गया।फाइनल मैच को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मैदान में मौजूद रहे।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दसदान की टीम ने कप्तान मोहम्मद आतिफ खान के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन किया।पांच ओवर के इस मुकाबले में दसदान की टीम ने निर्धारित ओवरों में 60 रन का लक्ष्य खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रसूलपुर रूरी की टीम दबाव में नजर आई और पूरी टीम मात्र 40 रन पर ही ऑल आउट हो गई। इस प्रकार दसदान की टीम ने फाइनल मैच जीतकर टूनार्मेंट का खिताब अपने नाम किया। मैच में वैस लिप्टी की शानदार बल्लेबाजी और बेहतरीन प्रदर्शन ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। उनके उत्कृष्ट खेल के लिए उन्हें मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। विजेता टीम को आयोजकों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे पर घायल हुए मरीजों का हाल-चाल लेने अस्पताल पहुंचे डीएम

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।जिलाधिकारी गौरांग राठी द्वारा जिला अस्पताल के एमरजेंसी वार्ड में पहुंचकर आगरा एक्सप्रेसवे में घायल मरीजों को देखा गया। इस अवसर पर जिला अधिकारी ने घायल व्यक्तियों से मिलकर उन्हें जल्द स्वस्थ हो जाने की सांत्वना दिया । जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि घायल मरीजों का बेहतर इलाज किया जाए और उत्तम स्वास्थ्य चिकित्सा का लाभ दिया जाए। स्टाफ रेगुलर मरीजों का ध्यान रखें और समय से उन्हें उपचार सुनिश्चित किया जाए किसी भी प्रकार की लापरवाही स्टाफ द्वारा संज्ञान में नहीं आनी चाहिए। जिलाधिकारी ने मरीजों के तीमारदारों से मिलकर उन्हें अस्पताल द्वारा बेहतर चिकित्सा का लाभ दिए जाने का आश्वासन दिया। कहा स्वस्थ्य विभाग के डॉक्टरों की टीम गंभीरता से चिकित्सा सेवा दे रही है बेहतर देखभाल करेगी कोई भी दिक्कत नहीं होगी जल्द ही मरीज स्वस्थ होकर घर लौटेंगे। इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज मुख्य चिकित्सा अधीक्षक मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

घूसखोर पंडत' फिल्म डायरेक्टर व टीम पर मुकदमा दर्ज करने की मांग

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। थाना बिहार मैं मुनेश कुमार शुक्ल पुत्र प्रभु दयाल शुक्ल निवासी ग्राम गौरा थाने में लिखित तहरीर देकर कहा कि नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'घूसखोर पंडत' एफआईआर दर्ज करने की उठाई मांग 'घूसखोर पंडत' का विरोध तेज होता जा रहा है. वेब सीरीज के नाम को जातिवादी और अपमानजनक करार देते हुए इस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की जा रही है. आरोप है कि फिल्म में 'पंडित' शब्द का नकारात्मक इस्तेमाल किया गया है, जिसको लेकर खास कर ब्राह्मण समाज में भारी रोष है. 'घूसखोर पंडत' फिल्म के निदेशक नितेश शाह लेखक निमार्ता नीरज पाण्डे मुख्य अभिनेता मनोज बाजपेई आदि लोग शामिल हैं वही थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम हुआ आयोजित

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। भारत सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालयों में ₹बाल विवाह मुक्त भारत अभियान₹ कार्यक्रम का आयोजन किया गयोजिसमें बाल विवाह के परिणामों के विषय में छात्रों को बताया गयो

विकास खंड सफीपुर के कम्पोजिट स्कूल रनियाँमऊ में शिक्षकों व छात्रों द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गयोविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक अमित तिवारी ने छात्र- छात्राओं एवं अभिभावकों को बाल विवाह के कानूनी प्रावधानों,दुष्प्रभावों और इसके उपायों के बारे मे जागरूक करते हुए बताया यह एक सामाजिक कुरीति है जो शिक्षा की कमी, गरीबी और लैंगिक असमानता से जुड़ी है, जिससे लड़कियों को अक्सर स्कूल छोड़ना पड़ता है और वे शोषण की शिकार होती हैं।

उन्होने बताया कि 'बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006' के तहत पुरुषों के लिए विवाह की उम्र 21 वर्ष और महिलाओं के लिए 18 वर्ष है।इसके पहले विवाह करना कानूनी रूप से अपराध है बता दें कि कल मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्टरेट उन्नाव में बाल विवाह की रोकथाम एवं बाल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं की प्रभावी समीक्षा के उद्देश्य से जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई थी जिसमें जिला बाल कल्याण समिति के योजनान्तर्गत जिला टास्क फोर्स तथा बाल विवाह रोकथाम हेतु गठित टास्क फोर्स के नामित सदस्यों ने प्रतिभाग किया थो बी ई ओ अनीता साह ने बताया इस अभियान का उद्देश्य बाल विवाह को खत्म करना और देश की प्रत्येक बेटी को सशक्त बनाना है, तथा एक निष्पक्ष और न्यायपूर्ण समाज को बढ़ावा देने में इसके गहन महत्त्व पर प्रकाश डालना है।प्रमुख रूप से अमित तिवारी,संतोषी देवी,देवेन्द्र त्रिपाठी, अनूप साहू,कृपा शंकर,किरण देवी,सरोजनी देवी,राधा देवी, रमा देवी आदि उपस्थित रह

मार्ग दुर्घटना में तीन बाइकों की आपस में भिंडत 5 घायल

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के हुलासी कुआं चौराहे समीप डम्फर से बचने के प्रयास में तीन बाइकों की भिड़ंत हो गई।हादसे में बाइक सवार मासूम बच्ची सहित पांच लोग घायल हो गये।घायलों को सफीपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां डाक्टर ने गंभीर हालत होने पर सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हरदोई जनपद के कस्बा बिलग्राम निवासी छोटे लाल अपनी 3 वर्षीय भांजी आनन्दी को लेकर कस्बे में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शुक्रवार सुबह वापस घर जा रहा था। वह अभी मुख्यमार्ग के हुलासी कुआं चौराहे समीप पहुंचा था तभी सामने से आ रहे डंफर से बचने के लिए ब्रेक लगा दी।अचानक ब्रेक लगाने से पीछे से जा रही दूसरी व तीसरी बाइक उसमें जा भिड़ी।हादसे में तीनों बाइकों पर सवार छोटेलाल भांजी आनंदी, कोतवाली क्षेत्र के अटवा गाँव निवासी लवकुश (18)पुत्र हरीराम तीसरी बाइक पर सवार कोतवाली क्षेत्र शाहपुर गाँव निवासी आकाश (18) पुत्र पुत्तीलाल उसके बाबा रामकृष्ण (65) घायल हो गए ।राहगीरो ने सभी को एम्बुलेंस की मदद से सफीपुर सीएचसी पहुचाया जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी की गंभीर हालत देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

कलयुगी पुत्र मामूली सी बात पर बेटे ने मां के सर पर लोहे की रॉड से हमला कर की हत्या

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मामूली विवाद में बेटे ने अपनी ही मां की बेरहमी से हत्या कर दी। मां घर के बाहर बैठी धूप का आनंद ले रही थी, तभी सिरफिरा बेटा बाहर आया और मामूली बात पर गाली-गलौज करने लगा। देखते ही देखते उसने पास में पड़ी लोहे की रॉड उठाई और अपने मां के सिर पर दे मारी। एक के बाद एक कई वार किए। सिर बुरी तरह से फट गया। महिला लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ी। लोगों को आता देख आरोपी बेटा मां को तड़पता छोड़ मौके से भाग निकला। कुछ ही देर में तड़प-तड़प कर महिला की मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने खून से सनी लोहे की रॉड बरामद की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के कंजा खेड़ा मजरा पीपर खेड़ा निवासी शांति देवी (50) अपने दो बेटों के साथ रहती हैं। शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे शांति अपने घर के बाहर बैठी धूप सेंक रही थीं। तभी अंदर से छोटा बेटा राजन बाहर निकल कर आया और किसी बात को लेकर विवाद करने लगा। शांति देवी उसे डांटने लगी तो राजन आगबबूला हो गया। देखते ही देखते उसने पास में पड़ी लोहे की रॉड उठा ली और, शांति देवी पर टूट पड़ा। राजन ने शांति के सिर पर लोहे की रॉड से एक के बाद एक कई वार किए। शांति लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ी। लोगों को जुटता देख राजन मौके से फरार हो गया। पड़ोसियों की सूचना पर गंगाघाट पुलिस मौके पर पहुंची।। मौके से लोहे की रॉड जब्त की। इसके बाद शांति के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह वारदात घरेलू विवाद के चलते हुई। पड़ोसियों के अनुसार, राजन शराब का लती था। अक्सर शराब पीकर घर आता था और पत्नी से मारपीट करता था। जिस पर शांति देवी उसका विरोध करती थी। इस बात को लेकर राजन पहले भी कई बार शांति देवी के साथ मारपीट कर चुका था। पड़ोसियों ने बताया- घटना के समय भी राजन नशे में धुत था। शांति देवी के पति की कुछ साल पहले ही बीमारी के चलते मौत हो गई थी। इसके बाद से वह अपने दोनों बेटों, बड़े बेटे राजेश और छोटे बेटे राजन के साथ रहती थी। दोनों मजदूरी करते हैं। बताया जा रहा है कि मृतका का बड़ा बेटा राजेश घटना के समय गांव से बाहर था। उसे फोन पर घटना की सूचना दी गई, जिसके बाद वह बदहवास हालत में गांव के लिए रवाना हो गया।गंगाघाट कोतवाली प्रभारी इंस्पेक्टर अजय सिंह ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है जल्द ही पुलिस हिरासत में होगा।

फांसी लगाकर युवक ने अपनी जीवन लीला की समाप्त

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के बिंदा नगर इलाके में शुक्रवार दोपहर एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान अमरेश सविता (42) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से हरदोई के सुरसा क्षेत्र का निवासी था और पिछले कई वर्षों से गंगाघाट में किराए के मकान में रह रहा था। जानकारी के अनुसार, अमरेश सविता बिंदा नगर में मकान मालिक दिनेश वर्मा के घर में पिछले लगभग पांच वर्षों से अपने परिवार के साथ किराए पर रह रहा था। शुक्रवार दोपहर उसने अपने कमरे के अंदर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जब वह काफी देर तक बाहर नहीं निकला, तो परिजनों और आसपास के लोगों को संदेह हुआ। दरवाजा खोलने पर अमरेश का शव फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलने पर गंगाघाट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर आवश्यक जांच-पड़ताल की और फिर उसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। मृतक अमरेश सविता शादी-विवाह और बारातों में मजदूरी का काम करता था। उसकी पत्नी पूनम पास-पड़ोस के घरों में काम कर परिवार का भरण-पोषण करती थी। अमरेश अपने पीछे पत्नी पूनम और तीन छोटे बच्चों को छोड़ गया है, जिनमें बड़ी बेटी अद्रिका (13 वर्ष), छोटी बेटी आरुषि (8 वर्ष) और बेटा सक्षम (5 वर्ष) शामिल हैं। परिजनों के अनुसार, अमरेश चार भाइयों में से एक था। परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर बताई जा रही है, और इस घटना से पत्नी व बच्चों के सामने जीवनयापन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

दहेज हत्या के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। पुलिस ने दहेज हत्या के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी बसन्त कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को बांगरमऊ-सण्डीला मार्ग पर सहदानी तिराहे के पास से पकड़ा गया। उस पर अपनी पत्नी रीमा देवी की दहेज के लिए हत्या करने का आरोप है।

बीती 14 जनवरी 2026 को रीमा देवी, पत्नी वसन्त कुमार, निवासी सहदानी, थाना बांगरमऊ, जिला उन्नाव की मौत हो गई थी मौत के बाद मृतका के पिता मूलचन्द्र ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

मूलचन्द्र ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया था कि उनकी बेटी रीमा से अतिरिक्त दहेज के रूप में 2 लाख रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल की मांग की जा रही थी। मांग पूरी न होने पर रीमा को प्रताड़ित किया गया और गाली-गलौज करते हुए उसकी हत्या कर दी गई। इस संबंध में थाना बांगरमऊ में बसन्त कुमार के खिलाफ मु0अ0सं0 10/2026 धारा 85/80 बीएनएस और 3/4 डीपी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले की विवेचना क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ द्वारा की जा रही थी। उन्होंने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उपनिरीक्षक मदनचन्द्र, कांस्टेबल कुशलपाल सिंह, कांस्टेबल गिरीश कुमार और कांस्टेबल अमित पवार की एक टीम गठित की थी। गठित टीम 6 फरवरी 2026 को आरोपी बसन्त कुमार की तलाश में थी। इसी दौरान मुखबिर खास और उन्नाव की सर्विलांस टीम से सूचना मिली कि बसन्त कुमार सहदानी तिराहे के पास कहीं जाने की फिराक में खड़ा है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने सुबह 6:25 बजे बसन्त कुमार को सहदानी तिराहे से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

चोरी की बाइक समेत युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के कोडवा खेडा गांव निवासी सत्य कुमार पुत्र होरी लाल ने बुधवार पुलिस को दी गयी तहरीर में आरोप लगाया कि मंगलवार रिश्तेदारी में सुभानी खेडा गांव विजय पुत्र राम पाल के यहां गया था जहां देर रात दरवाजे के पास खडी बाइक किसी ने पार कर दी खोज बीन की लेकिन कहीं पता नहीं चला पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर खोज बीन कर रही थी इसी बीच गुरुवार की रात । मुखबिर की सूचना पर कुलहा अटौरा गांव की मोड पर चोरी की बाइक के साथ कोडवा गांव निवासी जीतू पाल पुत्र स्व रामू पाल के पकड लिया और कडाई से पूछताछ की तो उसने चोरी की बात स्वीकार कर ली

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

गंजमुरादाबाद, उन्नाव। रिश्तेदारी में आयोजित मांगलिक से होकर घर लौट रहा बाइक सवार अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गया जिसकी इलाज हेतु लखनऊ ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई ।शव घर लाकर परिजनों ने बिना कानूनी कार्यवाही के ही क्षेत्रीय गंगा तट पर अंतिम संस्कार कर दिया। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के गांव जोगीकोट निवासी 35 वर्षीय जितेंद्र द्विवेदी पुत्र यदुनंदन प्रसाद बीते गुरुवार की शाम कस्बा गंजमुरादाबाद निवासी रिश्तेदार के यहां एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने आया था जहां से कार्यक्रम में शामिल होकर देर शाम वह घर लौट रहा था तभी रात करीब 9 बजे बांगरमऊ क्षेत्र में हरदोई उन्नाव मार्ग पर एक्सप्रेसवे अंडर पास के निकट किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिसे घायल अवस्था में बांगरमऊ अस्पताल ले जाया गया जहा से उसे रेफर कर दिया गया परिजन लखनऊ लेकर जा रहे थे तभी रास्ते में ही उसकी मौत हो गई ।जिसके बाद परिजन शव लेकर घर पहुंचे तथा शुक्रवार को दोपहर करीब बिना कोई कानूनी कार्यवाही के शव को नानामऊ गंगा तट ले जाकर अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी आस्था,एक पुत्र अथर्व व एक पुत्री रनिका को रोता बिलखता छोड़ गया है ।मृतक कोई प्राइवेट नौकरी कर परिवार का भरण पोषण करता था।

कंपोजिट विद्यालय में छात्रों का निपुण एसेसमेंट किया गया

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्र के ग्राम धन्नापुरवा सकरौली स्थित कंपोजिट विद्यालय में कक्षा एक व कक्षा दो के बच्चों का निपुण एसेसमेंट डायट प्रवक्ता, निपुण सेल प्रभारी डॉ उमा प्रसाद पटेल एवं एआरपी अनुज विश्वकर्मा की देखरेख में संपन्न हुआ। इस दौरान कक्षा एक व कक्षा दो के शत-प्रतिशत बच्चों को निपुण घोषित किया गया। डायट डीएलएड प्रशिक्षु आवेश वर्मा ने कक्षा एक व कक्षा दो के बच्चों का निपुण एसेसमेंट किया।

डॉ पटेल ने बताया कि निपुण आकलन किसी प्रकार की परीक्षा नहीं है बल्कि बच्चों की वास्तविक सीख को समझने का एक प्रभावी माध्यम है उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है क्योंकि निरंतर आकलन एवं बच्चों के स्तर के अनुसार मार्गदर्शन से ही उन्हें निपुण लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। डॉ पटेल ने बाल वाटिका की कक्षा में पढ़ रहे बच्चों के साथ बैठकर गिनती माला से उन्हें गिनती सिखाई एवं अंग्रेजी में रंगों के बारे में भी बताया। एआरपी अनुज विश्वकर्मा ने कहा कि इस आकलन से यह सुनिश्चित होता है कि विद्यार्थी अपेक्षित अधिगम स्तर तक पहुंचे या नहीं। इस दौरान शिक्षक शशांक चौहान, गीता यादव, सर्वेश वर्मा, देवेंद्र प्रताप सिंह, ठाकुर प्रसाद, कौशलेंद्र पाल, अभिषेक तिवारी, शिखा सिंह, रजिया खातून एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री रोशनी यादव सहित बच्चे उपस्थित रहे।

यू जी सी नेट परीक्षा में छात्र ने आल इंडिया रैंक में 99/99 अंक पाकर परिवार का बढ़ाया मान।

अमन लेखनी समाचार

पुरवा -उन्नाव। गदोरवा निवासी युवा वैभव द्विवेदी ने यू जी सी नेट परीक्षा 2025 जे आर एफ (जूनियर रिचर्स फेलोशिप) आल इंडिया रैंक में 99/99, अंकों से राजनीति विज्ञान परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है ।सफलता पर परिजनों सहित सभी में गजब का उत्साह है। सामाजिक कार्यकर्ता कृष्णकुमार द्विवेदी के पुत्र वैभव द्विवेदी ने प्रारंभिक पढ़ाई गुरुराय एकेडमी कॉलेज कानपुर आई एस बोर्ड से की इसके बाद उच्च शिक्षा हेतु इलाहाबाद केंद्रीय विद्यालय से स्नातक व जून 2025 में परास्नातक की डिग्री हासिल की उक्त परीक्षा पास कर राजनीति विज्ञान विषय में इलाहाबाद विश्व विद्यालय व बी एच यू वाराणसी से पीएचडी करने का मार्ग प्रशस्त हुआ साथ ही जूनियर रिचर्स फेलोशिप की राशि यू जी सी के द्वारा प्रदान की गई। शैक्षिक यात्रा में उच्च स्थान प्राप्त करने का सारा श्रेय अपनी मां अनीता द्विवेदी को देते हुए वैभव कहता है कि लक्ष्य का निर्धारण कर परिश्रम किया जाए तो हर मार्ग सरल और सुलभ हो जाता है वैभव को मिली सफलता से हर कोई गदगद है एक दूसरे को मिष्ठान खिला कर बधाई देने का सिलसिला जारी है।

एसएसपी ने की जनसुनवाई: शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जय प्रकाश सिंह ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें उनके समक्ष रखीं।

एसएसपी जय प्रकाश सिंह ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान पुलिस की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।जनसुनवाई के दौरान प्रशिक्षु आईपीएस संचित शर्मा भी मौजूद रहे। उन्होंने शिकायतों की कार्यवाही की प्रक्रिया को करीब से समझा।एसएसपी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रार्थना पत्रों का शीघ्र निस्तारण किया जाए और इसकी सूचना फरियादियों को दी जाए।इसका उद्देश्य आम जनता का पुलिस प्रशासन पर भरोसा बनाए रखना है।

सम्पादकीय

यूएस से ट्रेड डील रोजगार के नए मौके पैदा करेगी

भारत और अमेरिका के बीच संपन्न हुई ट्रेड डील को मौजूदा वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में एक निर्णायक और दूरगामी कदम है। पिछले एक वर्ष से अंतरराष्ट्रीय व्यापार को लेकर जो असमंजस और अनिश्चितता बनी हुई थी, उसका सीधा असर भारत के निर्यात, निवेश और रोजगार सृजन पर पड़ रहा था। उसका असर व्यापारियों और युवाओं के रोजगार अवसरों पर साफ दिखाई दे रहा था। इस समझौते ने उस माहौल को काफी हद तक समाप्त करने का संकेत दिया है और व्यापारियों, उद्योग जगत तथा युवाओं में नई उम्मीद जगाई है। भले ही सौदे की पूरी शर्तें अभी सामने आनी बाकी हों, लेकिन यह स्पष्ट है कि यह डील भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संभावनाओं के द्वार खोलती है। इसे मौजूदा वैश्विक आर्थिक हालात में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जाना चाहिए। सबसे अहम बात यह है कि भारत ने अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश के साथ बातचीत में अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किए बिना यह समझौता किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया जाना भारत की मजबूत कूटनीतिक स्थिति को दर्शाता है। यह संकेत देता है कि भारत अब केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था में अपनी शर्तों पर बातचीत करने वाला देश बन चुका है। इस डील से 'मेड इन इंडिया' नई गति मिलने की उम्मीद है। जब निर्यात बढ़ेगा तो स्वाभाविक रूप से उत्पादन बढ़ेगा और इसका सीधा असर रोजगार पर पड़ेगा। कपड़ा, चमड़ा, हीरा-जवाहरात, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और इंजीनियरिंग सेक्टर जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में नए अवसर पैदा होंगे। इन सेक्टरों में लाखों लोगों को काम मिलता है और यही कारण है कि इस समझौते को रोजगार सृजन के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। साथ ही, लोगों के हाथों में अधिक पैसा आएगा, जिससे 'ईज ऑफ लिविंग' को भी मजबूती मिलेगी। ट्रेड डील का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि भारत ने कृषि और डेयरी क्षेत्र को इससे अलग रखकर अपने किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हितों की रक्षा की है। यह दिखाता है कि सरकार ने वैश्विक दबावों के बावजूद घरेलू प्राथमिकताओं को नजरअंदाज नहीं किया। भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद में कुछ कमी और वैकल्पिक स्रोतों की तलाश यह दर्शाती है कि भारत वैश्विक संतुलन को साधते हुए आगे बढ़ रहा है। हालांकि वेनेजुएला से तेल खरीदना तकनीकी और आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इस डील का असर बाजारों पर भी दिखाई दिया है। रुपये और सेंसेक्स की तेज उछाल इस बात का संकेत है कि निवेशकों ने इस समझौते का स्वागत किया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का यह कहना कि इस डील में किसी के हितों से समझौता नहीं किया गया, सरकार के आत्मविश्वास को दर्शाता है। उनका यह भी कहना कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा कृषि और डेयरी सेक्टर के हितों की रक्षा की है, इस समझौते के संतुलित स्वरूप को रेखांकित करता है। यह डील भारत के 140 करोड़ नागरिकों, गांवों में रहने वाले गरीबों, किसानों, मछुआरों, युवाओं और महिलाओं के लिए नए अवसर लेकर आ सकती है। कुल मिलाकर, भारत-अमेरिका ट्रेड डील भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत हो सकती है। निर्यात बढ़ेगा, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। यदि इस समझौते का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया, तो यह भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी हब बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा।

नीति और सत्ता
अम्बरीष प्रजापति

न्यायिक दहलीज पर दम तोड़ते कानून

बीते कुछ समय से देश की शासन व्यवस्था में एक अजीबोगरीब दोहराव देखने को मिल रहा है। केंद्र सरकार जब भी कोई महत्वाकांक्षी नियमावली या कानून पेश करती है, तो वह लागू होने से पहले ही उच्चतम न्यायालय के अवरोधों में फंस जाता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के हालिया समानता संबंधी दिशानिर्देशों पर लगी रोक इसी सिलसिले की एक ताजा मिसाल है। चाहे वह सूचना प्रौद्योगिकी नियमों के तहत 'सत्यता जांच इकाई' का विवाद हो, डेटा सुरक्षा कानून की संवैधानिक चुनौतियां हों या प्रसारण विधेयक पर बढ़ता विरोध-यह सब महज इत्तेफाक नहीं हो सकता। यहाँ बुनियादी मसला अदालती दखल का नहीं है, बल्कि उस कार्यप्रणाली का है जिसके तहत ये नियम गढ़े जा रहे हैं। जब बारीकी से तैयार किए गए कानून न्यायिक कसौटी पर बार-बार विफल होने लगें, तो यह नीति-निर्धारकों की दूरदर्शिता और उनकी संवैधानिक समझ पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

सुधार या नियोजित भ्रम की रणनीति?

यूजीसी के प्रकरण को ही लें। 'यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन' को जाति, धर्म, लिंग, क्षेत्र ऐसे तमाम आधार पर होने वाले भेदभाव को समाप्त कर शैक्षणिक संस्थानों में सामाजिक समरसता, समता भाव स्थापित करने के लिए लाया गया और इसे शिक्षा जगत में सुधार के तौर पर प्रचारित किया गया, लेकिन इसकी अंतर्धारा ने सामाजिक समरसता के बजाय 'जातीय ध्रुवीकरण' को अधिक हवा दी। 'समानता' की शब्दावली का उपयोग करते हुए जिस तरह से पारंपरिक श्रेणियों और पहचानों को पुनर्जीवित किया गया, उसने स्पष्ट कर दिया कि यह केवल प्रशासनिक सुधार नहीं है। कई विश्लेषकों का मानना है कि नियमों में जानबूझकर छोड़ी गई अस्पष्टता किसी सुधार का हिस्सा नहीं, बल्कि एक सोची-समझी राजनीतिक बिसात है। आज की राजनीति नब्बे के दशक के सीधे टकराव वाली राजनीति से अलग है। अब जाति को मिटाने का संकल्प कहीं ओझल हो गया है; इसके उलट उसे 'पावर गेम' के एक नए सांचे में ढाला जा रहा है। जाति अब सामाजिक चेतना का विषय न रहकर सत्ता के प्रचार-प्रसार, वोट बैंक साधने का माध्यम बन गया है।

जवाबदेही से बचता सत्ता का शीर्ष

विडंबना देखिए कि जब भी कोई कानून अदालत में अटकता है, तो सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग बड़ी चतुराई से आलोचना से बच निकलते हैं। दोष कभी समितियों पर मढ़ा जाता है, कभी मंत्रियों पर, तो कभी विपक्ष को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। यह वही पुराना मॉडल है- 'सफलता का श्रेय ऊपर, विफलता की जिम्मेदारी नीचे'। इस पूरी प्रक्रिया में असली 'निर्णय-केंद्र' हमेशा अदृश्य बना रहता है।

हिंदुत्व और सामाजिक समरसता का क्षरण

हिंदुत्व का विचार, जो मूलतः सांस्कृतिक एकात्मता और भेदभाव रहित समाज की बात करता था, इस 'पहचान वाली राजनीति' के कारण हाशिए पर जाता दिख रहा है। जब सामाजिक न्याय को लोक-कल्याण के बजाय मार्केटिंग के औजार की तरह इस्तेमाल किया जाता है, तो समाज जुड़ने के बजाय बंट जाता है। यह न तो हिंदुत्व की जीत है और न ही सामाजिक न्याय की; यह केवल सत्ता को स्थिर रखने का एक खेल है।

सुझावः इस संवैधानिक और सामाजिक उलझन से निकलने के लिए सरकार को केवल कागजी बदलाव नहीं, बल्कि बुनियादी सुधारों की आवश्यकता है। एआई आधारित सुरक्षा निगरानी केंद्रः सभी प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में 'एआई सुरक्षा निगरानी केंद्र' स्थापित किए जाएं। ये केंद्र आधुनिक तकनीक के जरिए किसी भी वर्ग, समुदाय के छात्र छात्राओं, अधिकारी-कर्मचारी तथा शिक्षकों के साथ होने वाले किसी भी प्रकार के भेदभाव की शिकायतों का निष्पक्ष विश्लेषण हो सकेगा, जिससे मानवीय पूर्वाग्रह और जातीय द्वेष की गुंजाइश खत्म हो सकेगी और जो वास्तविक दोषी होगा उस पर कारवाई हो सकेगी। सरकार शैक्षणिक संस्थानो में जातिगत भेदभाव मुक्त परिसर बनाकर जो समता मूलक भाव पैदा करना चाहती है। इस तरह समता मूलक, समरसता युक्त कैंपस बन सकेंगे।

संसद
कांतिलाल मांडोत

सदन की मर्यादा बनाम सियासी सनसनी

> संसद में संदेह, कयास और 'कहा जाता है' जैसे शब्दों के आधार पर देश की सुरक्षा नीति पर बहस नहीं की जा सकती। यह न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करने वाला भी है। जनता अब केवल आरोप नहीं, प्रमाण भी चाहती है। सोशल मीडिया और सूचना के इस दौर में आधे सच ज्यादा देर तक टिकते नहीं। विपक्ष का काम सवाल पूछना है, लेकिन नियमों के भीतर रहकर। सरकार का काम जवाब देना है, लेकिन तथ्य और मर्यादा के साथ। जब दोनों में से कोई एक भी इस संतुलन को तोड़ता है, तो नुकसान लोकतंत्र का होता है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन उतनी ही महत्वपूर्ण है उसकी जिम्मेदारी।

लोकसभा लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां शब्द केवल अभिव्यक्ति नहीं होते, बल्कि राष्ट्रीय भरोसे, संस्थागत मर्यादा और संवैधानिक जिम्मेदारी के प्रतीक भी होते हैं। ऐसे में अगर इस मंच पर ऐसे संदर्भ लाए जाएं, जिनका न तो आधिकारिक अस्तित्व हो और न ही सार्वजनिक सत्यापन, तो स्वाभाविक है कि सवाल केवल कथन पर नहीं, कथन करने वाले की मंशा पर भी उठते हैं। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एम.एम. नरवणे की कथित अप्रकाशित किताब के हवाले से डोकलाम को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का बयान इसी श्रेणी में आता है, जिसने संसद में हंगामा खड़ा कर दिया और देश के सामने एक गंभीर प्रश्न रख दिया। क्या राजनीतिक लाभ के लिए सदन की नियम-परंपरा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों को दांव पर लगाया जा सकता है?

राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के दौरान जिस मैगजीन लेख का हवाला दिया, वह स्वयं एक अप्रकाशित मेमॉयर पर आधारित बताया गया। जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि जिस किताब का जिक्र किया जा रहा है, वह प्रकाशित ही नहीं हुई है, तो इस तर्क को खारिज करना मुश्किल हो जाता है। संसदीय परंपरा साफ कहती है कि सदन में वही तथ्य उद्धृत किए जा सकते हैं, जो सार्वजनिक रूप से उपलब्ध, प्रकाशित और सत्यापन योग्य हों। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी इसी नियम की याद दिलाई। इसके बावजूद, नियमों की अवहेलना कर बार-बार वही संदर्भ दोहराया गया, जिससे बहस का स्तर मुद्दे से हटकर टकराव तक पहुंच गया। यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस नेतृत्व, खासकर राहुल गांधी, ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर ऐसे बयान दिए हों, जिन्हें बाद में या तो आधा-अधूरा बताया गया या तथ्यहीन। डोकलाम जैसे संवेदनशील मुद्दे पर बोलते समय अतिरिक्त सावधानी अपेक्षित होती है, क्योंकि यहां केवल सरकार की आलोचना नहीं होती, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से सेना की रणनीति, क्षमता और निर्णयों पर भी सवाल खड़े होते हैं। स्वयं स्पीकर ने यह टिप्पणी की कि राष्ट्रीय हित के विषय पर सेना की आलोचना उचित नहीं है। यह टिप्पणी किसी दल विशेष के पक्ष में नहीं, बल्कि संस्था की रक्षा में दी गई चेतावनी थी। राहुल गांधी का यह कहना कि "किताब को प्रकाशित नहीं करने दिया गया'' भी बिना किसी ठोस प्रमाण के एक गंभीर आरोप है। अगर ऐसा है, तो सवाल उठता है कि कांग्रेस के पास इसके समर्थन में आधिकारिक दस्तावेज, लेखक का सार्वजनिक बयान या प्रकाशक की पुष्टि क्यों नहीं है? संसद में संदेह, कयास और 'कहा जाता है' जैसे शब्दों के आधार पर देश की सुरक्षा नीति पर बहस नहीं की जा सकती। यह न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करने वाला भी है। कांग्रेस अक्सर यह आरोप लगाती रही है कि सरकार असहज सवालों से डरती है। लेकिन इस पूरे प्रकरण में डर नहीं, बल्कि प्रक्रिया और नियमों पर जोर दिखा। अगर राहुल गांधी किसी प्रकाशित

लेख या आधिकारिक बयान का हवाला देते, तो सरकार के पास उसका जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता। समस्या सवाल में नहीं, सवाल पूछने के तरीके में है। संसद बहस का मंच है, अफवाहों का नहीं। यही कारण है कि गृह मंत्री अमित शाह का यह कहना कि "मैगजीन तो कुछ भी लिख सकती है" केवल एक राजनीतिक तंज नहीं, बल्कि तथ्यात्मक चेतावनी भी है।

कांग्रेस की रणनीति पर नजर डालें तो यह साफ दिखता है कि वह सदन के भीतर और बाहर लगातार ऐसे मुद्दे उठाना चाहती है, जिनसे सरकार को राष्ट्रवाद और सुरक्षा के मोर्चे पर घेरा जा सके। लेकिन जब ऐसे प्रयास ठोस तथ्यों के बजाय अपुष्ट संदर्भों पर आधारित हों, तो वे खुद कांग्रेस की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाते हैं। जनता अब केवल आरोप नहीं, प्रमाण भी चाहती है। सोशल मीडिया और सूचना के इस दौर में आधे सच ज्यादा देर तक टिकते नहीं।

यह भी उल्लेखनीय है कि पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल नरवणे ने स्वयं सार्वजनिक रूप से यह नहीं कहा है कि डोकलाम में चीनी टैंक भारतीय सीमा के 100 मीटर तक भीतर आ गए थे, जैसा दावा किया गया। अगर ऐसा कोई गंभीर तथ्य होता, तो वह किसी न किसी आधिकारिक माध्यम से सामने आता। सेना और सरकार के बीच संवाद कोई छिपी हुई प्रक्रिया नहीं है, खासकर जब बात सीमा सुरक्षा की हो। ऐसे में अप्रकाशित किताब के हवाले से सनसनी फैलाना न तो जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका है और न ही परिपक्व राजनीति की पहचान।

सदन की कार्यवाही का बार-बार स्थगित होना भी किसी के हित में नहीं है। विपक्ष का काम सवाल पूछना है, लेकिन नियमों के भीतर रहकर। सरकार का काम जवाब देना है, लेकिन तथ्य और मर्यादा के साथ। जब दोनों में से कोई एक भी इस संतुलन को तोड़ता है, तो नुकसान लोकतंत्र का होता है। इस पूरे घटनाक्रम में सरकार ने नियमों का हवाला दिया, जबकि कांग्रेस ने भावनात्मक और आरोपात्मक राजनीति को तरजीह दी। यही अंतर आज की राजनीति की दिशा तय कर रहा है।

अंततः, यह बहस किसी एक किताब या एक बयान तक सीमित नहीं है। यह इस बात की परीक्षा है कि हम संसद को किस रूप में देखना चाहते हैं। एक गंभीर नीति-निर्माण मंच या राजनीतिक सुर्खियों का अखाड़ा। कांग्रेस और राहुल गांधी को आत्ममंथन करना होगा कि क्या बार-बार बेबुनियाद आरोप लगाकर वे वास्तव में राष्ट्रीय हित की सेवा कर रहे हैं, या केवल तात्कालिक राजनीतिक लाभ की तलाश में हैं। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन उतनी ही महत्वपूर्ण है उसकी जिम्मेदारी। बिना प्रमाण के आरोप न केवल सरकार को, बल्कि पूरे देश को कमजोर करते हैं। इसलिए जरूरी है कि संसद में आमजन से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार उठाया जाए। संसद केवल खाली हंगामा करने की जगह न बनें। क्योंकि सदन का जितना समय बार्बाद होगा आमजन का भी उतना ही नुकसान होगा। विपक्ष का कर्तव्य है कि व स्वस्थ और आमजन के मुद्दों पर बहस करे। न कि सदन को अखाड़ा बनाकर छोड़ दे। संसद लोगों के लिए योजनाएं और कानून बनाने के लिए है।

सुख की चाह के लिए तप की साधना ज़रूरी है

संकलित
दर्शन

तप संकल्प की प्राप्ति का एकमात्र उपाय है। जिसे सत्य संकल्प द्वारा सुख की चाह है, उसे तप की साधना अवश्य करनी चाहिए। संकल्प के दृढ़ एवं सत्य न होने का सबसे बड़ा कारण तप की कमी होता है। जो व्यक्ति अपने स्थूल और सूक्ष्म शरीर के द्वारा तप नहीं करता, वह अपने संकल्पों को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। तप से हमें अपने मन और तन, दोनों को पक्का बनाना होता है। जैसे मिट्टी का कच्चा घड़ा पानी डालने पर गल जाता है। वह अग्नि में बिना तपे कभी जल नहीं ला सकता। इसी प्रकार जब तक मनुष्य अपने जीवन को तप द्वारा पक्का नहीं बनाता, तब तक वह कभी भी अपने संकल्पों की सिद्धि को धारण नहीं कर सकता। तप से जीवन की समस्त अशुद्धियां दूर होती हैं। अशुद्धियों के दूर होने से शरीर और इंद्रियों को विशेष सिद्धि मिलती। तभी कहा जाता है कि तप से सभी कुछ साध्य है। वेदों में भी तप की महिमा और आवश्यकता का अनेक स्थानों पर वर्णन किया गया है। कल्याण की कामना करने वाले ऋषिगण भी प्रथम तप और दीक्षा का ही अनुष्ठान करते हैं। श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय स्कंध में श्री भगवान ब्रह्मजी से कहते हैं कि 'मैं इस दृश्यमान अखिल प्रपंच को तप द्वारा रचता हूं और पुनः तप द्वारा ही ग्रसित कर लेता हूं। मैं तप द्वारा ही इस विश्व का भरण-पोषण करता हूं और मेरा अत्यंत तेजस्वी पराक्रम तप ही है। तप द्वारा वह तेज और वह शक्ति प्राप्त की जा सकती है, जो किसी भी संकल्प की प्रतिपूर्ति का आधार बनती है।'

अपनी गठरी टटोलें

संकलित
प्रेरणा

दो आदमी यात्रा पर निकले! दोनों की मुलाकात हुई, दोनों का गंतव्य एक था तो दोनों यात्रा में साथ हो चले। सात दिन बाद दोनों के अलग होने का समय आया तो एक ने कहा- भाई साहब! एक सप्ताह तक हम दोनों साथ रहे क्या आपने मुझे पहचाना? दूसरे ने कहा- नहीं, मैंने तो नहीं पहचाना। पहला यात्री बोला- महोदय मैं एक नामी ठग हूँ परन्तु आप तो महाठग हैं। आप मेरे भी गुरू निकले। दूसरा यात्री बोला- कैसे? पहला यात्री- कुछ पाने की आशा में मैंने निरंतर सात दिन तक आपकी तलाशी ली, मुझे कुछ भी नहीं मिला। इतने दिन साथ रहने के बाद मुझे यह पता है आप बहुत धनी व्यक्ति हैं और इतनी बड़ी यात्रा पर निकले हैं तो ऐसा कैसे हो सकता है कि आपके पास कुछ भी नहीं है? बिल्कुल खाली हाथ हैं! दूसरा यात्री- मेरे पास एक बहुमूल्य हीरा है और थोड़ी-सी रजत मुद्राएं भी है। पहला यात्री बोला- तो फिर इतने प्रयत्न के बावजूद वह मुझे मिले क्यों नहीं? दूसरा यात्री- मैं जब भी बाहर जाता, वह हीरा और मुद्राएं तुम्हारी पोटली में रख देता था और तुम सात दिन तक मेरी झोली टटोलते रहे। अपनी पोटली सँभालने की जरूरत ही नहीं समझी। तो फिर तुम्हें कुछ मिलता कहां से! ईश्वर नित नई खुशियां हमारी झोली में डालते हैं परन्तु हमें अपनी गठरी पर निगाह डालने की फुर्सत ही नहीं है, यही सबकी मूलभूत समस्या है। जिस दिन से इंसान दूसरे की ताकझाक बंद कर देगा उस क्षण सारी समस्या का समाधान हो जाएगा। अपनी गठरी टटोलें! जीवन में सबसे बड़ा गूढ मंत्र है स्वयं को टटोले और जीवन-पथ पर आगे बढ़े सफलताएं आप की प्रतीक्षा में है।

अंतर्मन

आज की पाती

रक्षा पर जोर रोजगार भाव विभोर

बजट को 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ यानी 15.2 प्रतिशत की वृद्धि करके देश की सुरक्षा पर ध्यान दिया गया। मिडिल क्लास के लिए न तो आयकर में कोई नई छूट का प्रावधान रखा गया और न ही गरीब मजदूरों के हित अथवा महंगाई से राहत के लिए कोई ऐसा कदम उठाया गया, जिससे उन्हें सुकून मिल सके। देश के उत्थान में युवकों का सबसे बड़ा योगदान होता है, किंतु बेरोजगारी कम करने के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे उन्हें बेहतर नौकरी या रोजगार मिल सके। सरकार को बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने के विषय में भी प्रयास करना चाहिए। कुल मिलाकर इस बार का बजट किसी भी वर्ग को बहुत ज्यादा उत्साहित नहीं कर पाया है। - *संतोष अग्रवाल, भाटापारा*

करंट अफेयर

कक्षाओं में चैटजीपीटी, अब छात्रों के सीखने का आकलन कैसे

दुनिया के हर क्षेत्र के साथ साथ उच्च शिक्षा में भी जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जेनएआई) का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है और छात्र तथा शिक्षक पढ़ाई, सीखने और मूल्यांकन में चैटबॉट्स को शामिल कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि शिक्षा की मूल प्रकृति को प्रभावित करने वाला है। कनाडा के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के 28 शिक्षकों पर आधारित एक हालिया अध्ययन में पाया गया कि शिक्षा एक निर्णायक दौर में प्रवेश कर चुकी है। ऐसे समय में यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो गया है कि जब एल्गोरिदम मानव संज्ञान को सहारा दे सकते हैं या उसका अनुकरण कर सकते हैं

ऑफ बीट

अब उम्र तय करने में जीन की भूमिका पहले से अधिक

शोध के अनुसार, आज के दौर में जीवनकाल में जीन का योगदान पहले की तुलना में कहीं अधिक दिखाई देता है। इसके पीछे कारण यह नहीं है कि जीन अचानक ज्यादा प्रभावशाली हो गए हैं, बल्कि यह है कि बीते एक शताब्दी में मृत्यु के कारणों में बड़ा बदलाव आया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि एक सदी पहले बड़ी संख्या में लोग दुर्घटनाओं, संक्रमणों और अन्य बाहरी कारणों से मर जाते थे। वैज्ञानिक इन्हें 'बाह्य कारण' कहते हैं। इसके विपरीत, आज विकसित देशों में अधिकांश मौतें 'आंतरिक कारणों' से होती हैं, जैसे उम्र बढ़ने से जुड़ी बीमारियां- हृदय रोग, डिमेंशिया और अन्य रोग।

ट्रेंड

मोदी मेरे अच्छे दोस्त

पीएम मोदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं, वे अपने देश में एक मजबूत और सम्मानित नेता हैं। हम दोनों ऐसे लोग है जो काम करके दिखाते हैं। यह बात ज्यादातर लोगों के बारे में नही कही जा सकती। हमारी डील से दोनों देशों का विकास होगा। -डोनाल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति अमेरिका

राहुल देश को गुमराह कर रहे

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी देश को गुमराह कर रहे है। अमेरिकी के साथ ट्रेड डील से देश को फायद होगा। देश-विदेश मे इसकी तारीफ हो रही है। कृषि-डेयरी क्षेत्र को संरक्षित रखा जाएगा। हमारे इंजीनियरिंग सेक्टर्स के पार्ट्स बनाने वाले, टेक्सटाइल, मरीन गुड, ज्वेलर सेक्टर को बहुत सारे मौके मिलेंगे। -**पीयूष गोयल**, केंद्रीय मंत्री

इमेज तोड़ रहे मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद मोदी डरे हुए है, क्योंकि जिन्होने उनकी इमेज बनाई वे अब यह इमेज तोड़ रहे है। अमेरिका मे अडानी पर केस है, यह असल मे मोदी पर केस है। वो मोदी जी के फाइनेंशियल स्ट्रक्चर को टारगेट कर रहे है। -**राहुल गांधी**, नेता विपक्ष

एसआईआर से लोग पीड़ित

पश्चिम बंगाल में कई वास्तविक मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए है। प्रभावित लोगों को न तो ठीक से सूचना दी जा रही है और न ही उन्हे अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिल रहा है। एसआईआर प्रक्रिया से लोग पीड़ित है। -**ममता बनर्जी**, सीएम, प. बंगाल

राज्यपाल के हाथों सम्मानित हुए कृषक संजीव कुमार गौड़

राजभवन में आयोजित प्रदर्शनी में जनपद को 03 श्रेणियों में मिले 05 पुरस्कार

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। राज भवन प्रांगण लखनऊ में 06 से 08 फरवरी 2026 तक आयोजित होने वाली प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी के दौरान आकांक्षी जनपद बहराइच के प्रगतिशील कृषक संजीव कुमार गौड़ को एकीकृत जीवनाशी प्रबन्धन तकनीक से बिष मुक्त पपीता की खेती के लिए राज्यपाल आनंदीबेन मफतभाई पटेल द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कृषक श्री गौड़ ने मौजूद कृषकों के साथ अपने अनुभवों को साझा किया तथा कृषि उत्पाद का

उचित मूल्य प्राप्त करने के लिए आई.पी.एम. विधि से विषमुक्त खेती करने के लिए कृषकों को प्रेरित भी किया।राज भवन प्रांगण में आयोजित 03 दिवसीय प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी के प्रथम दिन निर्णायक कमेटी द्वारा जनपदों की ओर से लगाये गये प्रदर्शनी स्टालों का निरीक्षण किया गया। निर्णायक मण्डल द्वारा जनपद बहराइच के कृषक रवि कुमार अग्रवाल को रंगीन शिमला मिर्च (लाल) एवं जरवेरा (लाल रंग) के लिए प्रथम पुरस्कार, कृषक लालता प्रसाद गुप्ता को केला (सब्जी) के लिए प्रथम एवं शहद के लिए शत्रोहन यादव व फूलचन्द्र गिरी को क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान के लिए चयनित किया गया। इस प्रकार जनपद को 03 श्रेणियों में कुल 05 पुरस्कार प्राप्त हुए।कृषकों द्वारा अर्जित की गई उपलब्धि के सम्बन्ध में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने कहा कि औद्यानिक फसलों में आकांक्षी जनपद के कृषकों को पुरस्कृत होना जनपदवासियों के लिए गौरव की बात है।उल्लेखनीय है कि राजभवन प्रांगण, लखनऊ में आयोजित होने वाली 03 दिवसीय प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी के नेतृत्व में वरिष्ठ उद्यान निरीक्षक पंकज वर्मा एवं जनपद के प्रगतिशील कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।

ठंड में मानवता की मिसाल, 500 जरूरतमंदों को मिला गर्माहट का सहारा

चन्द्रा पब्लिक वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट ने गंगापुर में किया कंबल वितरण

गरीबों की मदद को आगे आया समाज

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत गंगापुर में चन्द्रा पब्लिक वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से निःशुल्क कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. जी.सी. पाण्डेय ने लगभग 500 गरीब महिला-पुरुषों को कंबल वितरित किए।

डॉ. पाण्डेय ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष सर्दियों में कंबल और गर्मियों में जरूरतमंद महिलाओं को साड़ी वितरण का कार्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को असहाय और गरीबों की मदद के लिए आगे आना चाहिएभाजपा

रुपईडीहा मंडल के महामंत्री योगेश पाण्डेय ने इसे सराहनीय सामाजिक पहल बताया। कंबल पाकर ग्रामीणों ने खुशी जताई और ट्रस्ट के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में राजेश पाण्डेय एडवोकेट, राकेश पाण्डेय एडवोकेट, उमेश चंद्र पाण्डेय, योगेश चंद्र पाण्डेय, अरुण प्रकाश त्रिपाठी, राधे वर्मा और किसान नेता पं. अशोक मिश्रा सहित कई लोग मौजूद रहे।ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि आगे भी इस तरह के सेवा कार्य जारी रहेंगे।

संक्षेप

सात दिवसीय भागवत कथा शुरू

कलश यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ, सैकड़ों श्रद्धालु हुए शामिल

अमेठी, सहजीपुर में आज से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हो गया। कथा का आरंभ कलश यात्रा के साथ हुआ, जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। कथा के पहले दिन निकाली गई कलश यात्रा में श्रद्धालु भक्ति धुनों पर झूमते और गाते हुए चल रहे थे। सुरक्षा की दृष्टि से यात्रा के दौरान पुलिस बल भी तैनात किया गया था। यह कलश यात्रा आयोजक के घर से शुरू होकर पास के ही शिव मंदिर पहुंची, जहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई।कथा का वाचन प्रतिदिन प्रयागराज के आचार्य पंडित कमल जी भागवताचार्य द्वारा किया जाएगा। श्रीमद्भागवत कथा का समापन 11 फरवरी को महाप्रसाद वितरण के साथ होगा।कलश यात्रा और कथा के आयोजन को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

घना कोहरा, विजिबिलिटी 20 मीटर

तापमान गिरने से गलन बढ़ी, जनजीवन प्रभावित

अमेठी, मौसम ने एक बार फिर करवट ली है।पूरे जिले में घना कोहरा छा गया है, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई है।इसके चलते वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई है और तापमान में गिरावट से गलन बढ़ गई है।कोहरे के कारण दृश्यता 20 मीटर से भी कम हो गई है। वाहन चालकों को हेडलाइट, फॉग लाइट और तेज हॉर्न का सहारा लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ना पड़ रहा है। दरअसल, अमेठी में पिछले करीब एक सप्ताह से मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। कभी तेज धूप, कभी बारिश और अब भीषण कोहरे के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बीते शनिवार और रविवार को धूप निकलने से लोगों को कुछ राहत मिली थी, लेकिन सोमवार को हल्की धूप के साथ दिनभर आसमान में बादल छाए रहे।मंगलवार को पूरे जिले में बारिश हुई, जिससे ठंड बढ़ गई। देर रात मौसम ने फिर करवट ली और घना कोहरा छा गया।बारिश के बाद छाए भीषण कोहरे के कारण जिले का तापमान गिरकर 12 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।तापमान में गिरावट से गलन बढ़ गई है और एक बार फिर ठंड का प्रकोप देखने को मिल रहा है, जिससे लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है।

डीएम ने चार अभियुक्तों को किया जिलाबदर

गुण्डा नियंत्रण एक्ट के तहत 6 महीने के लिए निष्कासित

अमेठी, जिला मजिस्ट्रेट संजय चौहान ने गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत बड़ी कार्रवाई की है।उन्होंने चार अभियुक्तों को छह माह के लिए जनपद की सीमा से निष्कासित (जिला बदर) कर दिया है।यह कार्रवाई उन व्यक्तियों के खिलाफ की गई है, जिनका आसपास के क्षेत्रों में आतंक और भय व्याप्त है।उनके विरुद्ध कोई भी व्यक्ति बोलने या साक्ष्य देने का साहस नहीं करता। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जिला बदर किए गए चार अभियुक्तों में जायस थाना क्षेत्र के पूरे अमिया सराय महेशा निवासी अफजल पुत्र मुंशीर, लालबाबू पुत्र फौजदार, अफसर पुत्र जब्बार और मुंशीर पुत्र भुल्लू शामिल हैं।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से भिड़ीं दो बाइक, तीन घायल, एक की हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर, बहराइच। फखरपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात वजीरगंजझबौंडी मार्ग पर ग्राम अकबरपुर बुजुर्ग के पास गन्ना लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से एक के बाद एक दो बाइकों की टक्कर हो गई।हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें एक की हालत नाजुक बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार स्वराज 735 ट्रैक्टर-ट्रॉली से घने कोहरे के कारण पीछे से दो बाइक टकरा गईं। बाइक सवार फरमान पुत्र नियाज अहमद अपने दो साथियों के साथ तिगड़ा से अकबरपुर बुजुर्ग (थाना फखरपुर) अपने घर लौट रहे थे। दुर्घटना में इस्लाम, फरमान और नादिर हुसैन घायल हो गए।सूचना पर मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज वजीरगंज अमित त्रिपाठी व दीवान रामानंद यादव ने घायलों को सीएचसी फखरपुर भेजवाया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों को सूचना दे दी गई है।चौकी इंचार्ज अमित त्रिपाठी ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर-ट्रॉली व दोनों मोटरसाइकिलों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बोर्ड इम्तिहान में खलल डालने वालों पर सख़्त ऐक्शन तय

कैसरगंज पुलिस ने डीजे व मैरिज हॉल संचालकों को थमाया कड़ा नोटिस

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच।हाईस्कूल व इंटरमीडिएट (यूपी बोर्ड/सीबीएसई) के बोर्ड इम्तिहान को पुरअमन, मुनज्जम और बगैर किसी रुकावट के सम्पन्न कराने के लिए कैसरगंज पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में आ गई है।इसी कड़ी में दिनांक 06 फरवरी 2026 को थाना कैसरगंज स्तर पर डीजे, मैरिज हॉल, मैरिज गार्डन व बैंक्वेट हॉल संचालकों के साथ एक अहम बैठक मुनअकि द की गई।

बैठक के बाद सभी संचालकों को लिखित तौर पर सख़्त नोटिस जारी कर यह साफ हिदायत दी गई कि परीक्षा की मियाद के दौरान रात 10 बजे के बाद किसी भी सूरत में डीजे, साउंड सिस्टम या ध्वनि विस्तारक यंत्र का इस्तेमाल पूरी तरह से ममनू रहेगा।

पुलिस प्रशासन ने दो-टूक चेतावनी दी है कि हुक्म की खिलाफवजी करने वालों के खिलाफ

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 292 व 293 तथा ध्वनि प्रदूषण (नियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 के तहत बिना किसी ढील के सख़्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जरूरत पड़ने पर डीजे व साउंड उपकरण की जब्ती के साथ-साथ भारी जुमार्ना भी लगाया जाएगा।

इस दौरान मोहित कुमार, रिंकू यादव, कमलेश कुमार यादव, शंभू अवस्थी, राधेश्याम समेत अन्य डीजे संचालक मौजूद रहे। सभी ने पुलिस द्वारा जारी नोटिस की शर्तों पर पूरी तरह अमल करने का यक ीन दिलाया।

पुलिस प्रशासन का साफ कहना है कि यह कार्रवाई परीक्षार्थियों की पढ़ाई में सुकून, मानसिक एकाग्रता और अम्न-ओ-अमन कायम रखने के लिए की गई है, और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अवैध रूप से काटे गए हरे पेड़ दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत हरे आम के पेड़ के काटे जाने की सूचना पर पहुँची वन निरीक्षक ने दो लोगो को नामजद कर मुकदमा दर्ज कराया है।थाना क्षेत्र के गढी जमीपुर में बुधवार शायं सूचना पर पहुँची बीघापुर रेंज की वन निरीक्षक सोनी दीक्षित को 2 आम के कटे पेड़ मिले। खोजबीन पश्चात पेड काटने वालो की पहचान अजीत सिंह एंव रंजीत सिंह पुत्र भानुप्रताप सिंह नि०गढी जमीपुर थाना बिहार के रूप में हुई ।अवैध रूप से आम के पेडो को काटे जाने पर वन निरीक्षक ने दोनो ही लोगो के विरुद्ध उ0प्र0 वृक्ष संरक्षण अधि. 1976 की धारा 4/10 एंव धारा 3/28 के अन्तर्गत मुकदमा पंजीकृत करवाया ।

बाल अपचारी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।दही थाना क्षेत्र मे किशोरी के अपहरण के आरोप में वाछित थाना दही स्थाई पता औरास थाना क्षेत्र का रहने वाला बाल अपचारी को पुलिस ने वर्कशॉप मोड़ के पास से शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया।जानकारी के अनुसार दही के एक मोहल्ले से 12 नवंबर 2025 को दोपहर 2 बजे एक किशोरी संदिग्ध हालात मे लापता हो गई थी।पिता ने आरोप लगाया कि वह अपने भाई के यहां आया हुआ था। वहीं से दोपहर को उनकी बेटी को बहला फुसलाकर कहीं भाग गया। परिजन 5 दिन तक किशोरी की तलाश करते रहें उसका पता न चलने पर 17 नवंबर 2025 को पिता ने दही थाने मे आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने केस दर्ज आरोपी की तलाश में लगी थी।मुखबिर की पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।बाल अपचारी के खिलाफ पुलिस विधि कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया।

25 साल पुराने हत्या मामले में फैसला

तीन सगे भाइयों को आजीवन कारावास, 42 हजार जुर्माना भी लगा

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , 25 साल पुराने हत्या के एक मामले में सुल्तानपुर जिला न्यायालय की स्पेशल जज एससी, एसटी कोर्ट ने तीन सगे भाइयों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उन पर 42 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह मामला जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के मंधा गांव का है। 18 मई 2001 की रात करीब 9:30 बजे, दलित गोपीचंद पुत्र भगौती के भाई पर पास के गांव के शेष प्रताप सिंह, शिवफूल सिंह और बृजेश प्रताप सिंह पुत्रगण अवधेश प्रताप सिंह समेत दो अन्य ने हमला किया था। आरोपियों ने पहले लाठी-डंडों से हमला किया और फिर गोली मारकर उसकी हत्या कर दी थी। घटना के बाद, गोपीचंद पुत्र भगौती की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और सभी

आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। तत्कालीन क्षेत्राधिकार रविंद्र कुमार सिंह ने मामले की विवेचना की। उन्होंने 25 नवंबर 2002 को आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र संख्या ए-70 दाखिल किया था।स्पेशल जज एससी, एसटी कोर्ट ने तीनों आरोपियों को अलग-अलग धाराओं में दोषी पाते हुए आजीवन कारावास और 42 हजार रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई।इस घटना में शामिल दो अन्य आरोपियों की पहले ही मौत हो चुकी है।

दबंगों ने निर्वस्त्र कर महिलाओं को पीटा

पीड़ित बोली- प्रधान ने गुंडे भेजे, बुलडोजर से घर गिराया; बाल पकड़कर घसीटा

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ , 50 से अधिक बदमाशों ने एक परिवार के साथ मारपीट की। आरोप है कि महिलाओं को निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटा। इसके बाद दो मंजिला मकान को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। पीड़ित महिला ने बताया- दबंगों ने मुझे और मेरी बेटी को बाल पकड़कर घसीटा। कपड़े फाड़ दिए और लाठी-डंडों से पीटा।जब मेरे बेटे ने हमें बचाने का प्रयास किया, तो उसके सिर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। महिला ने बताया- प्रधान मेरे घर पर कब्जा करना चाहता है। इसलिए उसने गुंडे भेजकर हम लोगों के साथ मारपीट की।सबूत मिटाने के लिए घर में लगे सीसीटीव कैमरे भी तोड़ दिए। लेकिन कुछ सीसीटीव वीडियो सामने आए हैं।जिसमें बदमाश लाठी-डंडों के साथ दिखाई दे रहे हैं।

बुलडोजर के साथ पहुंचे नकाबपोशों का तांडव

पोस्तिका गांव में रहने वाले पूरन सिंह (69) खेती-बाड़ी का काम करते हैं। पूरन सिंह का एक बेटा दिल्ली में नौकरी करता है।घटना के समय घर में पूरन की पत्नी, बहू, पोती-पोता और बड़े भाई के बच्चे मौजूद थे।पूरन सिंह ने बताया कि गांव के ही एक व्यक्ति से मकान खरीदा था। लेकिन दखल खारिज न होने का फायदा उठाकर उसी व्यक्ति से प्रधान ने दोबारा बैनामा करा लिया।इसको लेकर पिछले दो महीनों से विवाद चल रहा था।थाने में भी हमने अपना बैनामा दिखाया था। पूरन ने बताया- 1 फरवरी सुबह 10 बजे प्रधान ने करीब 50 गुंडे हमारे भेजे। सभी ने नकाब पहनकर रखा था।इन बदमाशों ने मुझसे मारपीट की। मेरी पत्नी और बेटी ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो उनके साथ भी मारपीट की।

महिलाओं के कपड़े फाड़े, बाल पकड़कर घसीटा

पूरन की बहू ममता ने बताया- करीब 50 लोग थे, जिनमें से कई नकाबपोश थे। उन्होंने मुझे और मेरी बेटी को बाल पकड़कर बाहर घसीटा। हमारे कपड़े फाड़ दिए और लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया जब मेरे बेटे मुकुल ने हमें बचाने का प्रयास किया, तो उसके सिर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया।हमारे 15 लाख के मकान को बुलडोजर से गिरा दिया। पास में मेरा कुत्ता था। वह आरोपियों की ओर दौड़ा तो उसको डंडे से पीट-पीटकर मार डाला।

इसके बाद उसे बुलडोजर में डालकर ले गए। बदमाशों ने सबूत मिटाने के लिए घर में लगे उउळश कैमरे भी तोड़ दिए।

चीनी मिल पर किसानों का प्रदर्शन

पूर्व सपा विधायक भी हुए शामिल; हैदरगढ़ मिल को गन्ना आवंटन का विरोध

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर , भारतीय किसान यूनियन ने किसान सहकारी चीनी मिल पर प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में पूर्व सपा विधायक अरुण वर्मा भी शामिल हुए।किसानों ने जिला गन्ना अधिकारी को संबोधित एक मांग पत्र सौंपा, जिसमें उनकी समस्याओं का उल्लेख किया गया था। मांग पत्र में बताया गया है कि जिला गन्ना अधिकारी ने किसानों को बिना किसी पूर्व सूचना के सुल्तानपुर चीनी मिल के गन्ना किसानों का गन्ना हैदरगढ़ चीनी मिल को स्थानांतरित कर दिया है।किसानों का आरोप है कि सुल्तानपुर चीनी मिल चालू होने के बावजूद गन्ना तौल बंद कर दिया गया है। मिल गेट पर लगभग 300 गन्ने से लदी ट्रॉलियां खड़ी हैं। किसानों ने तत्काल गन्ना तौल शुरू करने और सभी किसानों का गन्ना तौल होने तक चीनी मिल

को चालू रखने की मांग की है।उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक गन्ना किसानों का गन्ना मूल्य भुगतान नहीं किया गया है। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। पूर्व सपा विधायक अरुण वर्मा ने जानकारी दी कि उन्होंने चीनी मिल के महाप्रबंधक (जीएम) से बात की है और गन्ना आयुक्त को 200 किसानों के धरने पर बैठने की सूचना दी है। वर्मा ने कहा कि वह किसानों की समस्याओं को समझते हैं और इस मामले से अखिलेश यादव को भी अवगत कराएंगे।

युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

किराए के मकान में रहता था, फॉरेंसिक टीम पहुंची

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , नगर कोतवाली क्षेत्र के चिलबिला गांधी आश्रम गली में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर चिलबिला चौकी प्रभारी लक्ष्मीकांत सेंगर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और

जांच पड़ताल शुरू की मृतक की पहचान विजय गुप्ता के रूप में हुई है, जो जौनपुर जनपद के सिंगरामऊ का निवासी था। वह चिलबिला क्षेत्र में किराए के मकान में अपनी पत्नी के साथ रहता था और परिवार का भरण-पोषण करता था। घटना के समय वह कमरे में अकेला था।स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक का शव फंदे से लटका पाया।पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर जांच शुरू की और फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया।फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की बारीकी से जांच कर साक्ष्य संकलित किए। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भिजवाया, जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी।पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और परिजनों से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवती से छेड़खानी, दुष्कर्म का आरोप

शौच के लिए जा रही थी, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र में एक 19 वर्षीय युवती ने गांव के ही एक युवक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती के अनुसार, पिछले सप्ताह रात करीब 10 बजे जब वह घर के बाहर बाथरूम जा रही थी, तभी गांव का एक युवक अपने दो साथियों के साथ वहां पहुंचा। उन्होंने युवती को जबरन लगभग 50 मीटर दूर ले जाकर एक कमरे में बंद कर दिया। युवती किसी तरह वहां से निकलकर अपने घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। प्रारंभिक शिकायत में युवती ने खुद को नाबालिग बताते हुए छेड़खानी का आरोप लगाया था, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़खानी और पॉक्सो एक्ट

के तहत मुकदमा दर्ज किया। हालांकि, जांच के दौरान प्रस्तुत शैक्षिक प्रमाण पत्र (मार्कशीट) में युवती की उम्र 19 वर्ष पाई गई। इसके चलते पॉक्सो एक्ट की धाराएं हटा दी गईं। बाद में युवती ने पुलिस के समक्ष दुष्कर्म किए जाने का बयान दर्ज कराया। थानाध्यक्ष विजेंद्र सिंह ने बताया कि युवती का बयान कोर्ट में दर्ज कराया जाएगा। इसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच जारी है।

संक्षेप

आगामी कार्यक्रम को लेकर किया बैठक

सोनभद्र।वाराणसी के रामनगर में होने वाले कार्यक्रम को लेकर बुधवार को जन अधिकार पार्टी के कार्यकर्ताओं ने नगर के रामलीला मैदान में बैठक किया। इस दौरान बिहार लेनिन अमरशहिद बाबू जगदेव प्रसाद की 105 वीं जयंती समारोह में शामिल होने के लिए ब्लाक वाइज पदाधिकारियों को जिम्मेवारी सौंपी गई।बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य व संचालन जिला महासचिव रविरंजन शाक्य ने किया।मौके पर प्रदेश प्रमुख महासचिव डा भागीरथी सिंह मौर्य, जय प्रकाश मौर्य, मो अमीन, मंगल मौर्य, गुलाब सिंह, बलिराम, चंद्रिमा सिंह आदि मौजूद रहे।

बंद पड़े धान क्रय केन्द्रों को लेकर रालोद ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

सोनभद्र। राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) ने बंद पड़े धान क्रय केंद्रों को तत्काल चालू कराने की मांग को लेकर बुधवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि जनपद में हाट शाखा एवं पीसीएफ के बंद पड़े धान क्रय केंद्रों को पूर्ण क्षमता के साथ चालू कराया जाए। कहा कि सोनभद्र के चतरा, रामगढ़, नगवां एवं घोरावल विकास खंड में निवासरत किसानों की आजीविका का मुख्य आधार कृषि है। धान एवं गेहूं की सरकारी खरीद किसानों के लिए अत्यंत आवश्यक है, लेकिन शासन की प्रतिकूल नीतियों और अधिकारियों की उदासीनता के कारण किसान लगातार उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं।श्रीकांत त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा किसानों की आय दोगुनी करने के संकल्प को मौजूदा क्रय व्यवस्था से गंभीर क्षति पहुंच रही है।खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में सुनियोजित तरीके से धान क्रय व्यवस्था में बदलाव कर किसानों को नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि जनपद सोनभद्र की धान उत्पादकता मिर्जापुर से अधिक होने के बावजूद यहां का क्रय लक्ष्य कम निर्धारित किया गया है। 14 जनवरी 2026 से अधिकांश क्रय केंद्रों के कांटे बंद कर दिए गए हैं, जबकि कुछ केंद्रों पर मात्र 50 से 75 कुंतल प्रतिदिन की नाममात्र खरीद की जा रही है। जिलाध्यक्ष ने मांग की कि दो कार्यदिवस के भीतर सभी बंद क्रय केंद्रों को 300 कुंतल प्रतिदिन की क्षमता के साथ चालू कराया जाए, अन्यथा आंदोलन किया जाएगा।

सड़क हादसे में बाइक सवार घायल

सोनभद्र। बीजपुर-बखरिहवा मार्ग पर नेमना मोड़ के समीप तेज रफ्तार बाइक पलटने से उसपर सवार दो युवक घायल हो गए। बाइक सवार घायल दोनों युवकों को उपचार के लिए धनवंतरी चिकित्सालय रिहंद में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार सूरज उम्र 24 वर्ष व सुदामा बैगा उम्र 23 वर्ष बाइक से कहीं गए थे।

वांछित आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

सोनभद्र। महिला संबंधित प्रकरण में वांछित आरोपी को चोपन थाना पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर कानून के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान नीरज पुत्र लालबाबू निवासी ग्राम बेलदहा थाना चोपन के रूप में की गई है।

यूजीसी के समर्थन में सड़क पर उतरे 1000 छात्र

प्रयागराज में हुंकार रैली में नारेबाजी; प्रदर्शन में वकील भी नारा लगाते पहुंचे

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, यूजीसी के नए नियम लागू करने की मांग को लेकर अब प्रयागराज में भी प्रदर्शन हुआ। शुक्रवार को समर्थन में 1000 से अधिक छात्र सड़कों पर उतरे। ब्राह्मणवाद का नाश होह्व, वोट हमारा, राज तुम्हाराह्व जैसे नारे लिखे प्लेकार्ड लहराते हुए छात्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। छात्रों के हाथों में डॉ. अंबेडकर और हैदराबाद यूनिवर्सिटी में आत्महत्या करने वाले छात्र रोहित वेमुला की बड़ी-बड़ी तस्वीरें थीं। कुछ छात्र तिरंगा भी लहरा रहे थे। सुबह करीब 11 बजे शहर के बैंक रोड पर लगभग 200 छात्र एकत्र हुए। नारेबाजी करते हुए जैसे-जैसे वे आगे बढ़े, अलग-अलग जगहों से छात्र उनके साथ जुड़ते चले गए। रैली जब इलाहाबाद यूनिवर्सिटी पहुंची, तब तक छात्र-छात्राओं की संख्या 1000 से अधिक हो चुकी थी। नारेबाजी करते हुए जैसे ही रैली कलेक्ट्रेट पहुंची, बड़ी संख्या में वकील भी समर्थन में उतर आए और नारे लगाने लगे। उधर, छात्रों के प्रदर्शन को देखते हुए 100 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियम पर लगाई रोक

बता दें कि 29 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में भेदभाव रोकने से जुड़े वऋउ के नए नियमों पर रोक लगा दी थी। कोर्ट का कहना था कि नियमों के प्रावधान स्पष्ट नहीं हैं और इनके दुरुपयोग की आशंका है। वऋउ के वर्ष 2012 के नियमों में संशोधन के बाद 13 जनवरी 2026 को नए नियम जारी किए गए थे। छात्रों का एक वर्ग इन नियमों को जरूरी बता रहा है, जबकि दूसरा वर्ग इसका विरोध कर रहा है।

संगम स्नान के दौरान युवती लापता

परिवार ने पुलिस से लगाई खोजबीन की गुहार

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक युवती के गंगा स्नान के दौरान लापता होने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं प्रशासन से जल्द से जल्द खोजबीन की मांग की जा रही है। जानकारी के अनुसार, ग्राम पड़ी निरौला, थाना कौंधियारा, प्रयागराज निवासी रीता मिश्रा पत्नी कृष्ण मूर्ति मिश्र की पुत्री कोमल मिश्रा (उम्र लगभग 22 वर्ष) बीते शनिवार को अपनी बहन एवं आसपास के बच्चों के साथ गंगा स्नान के लिए संगम क्षेत्र गई थी। बताया जा रहा है कि संगम जोन में दोपहर करीब 12 से 1 बजे के बीच स्नान के दौरान अचानक कोमल मिश्रा अपने साथियों से बिछड़ गई। काफी देर तक खोजबीन के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला, तो परिजनों की चिंता बढ़ गई परिजनों के अनुसार, कोमल मिश्रा का रंग गोरा है और उसकी लंबाई लगभग औसत बताई जा रही है। घटना के बाद से परिवार के लोग संगम क्षेत्र, आस-पास के घाटों और संभावित स्थानों पर लगातार तलाश कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। युवती के लापता होने की सूचना स्थानीय पुलिस को भी दे दी गई है। प्रार्थी रीता मिश्रा ने इस संबंध में एक लिखित प्रार्थना पत्र देकर प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने कहा कि उनकी पुत्री के अचानक लापता होने से परिवार गहरे सदमे में है और आशंका जताई जा रही है कि कहीं उसके साथ कोई अनहोनी न हो गई हो। परिजनों ने संगम क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच, गोताखोरों की मदद से नदी में खोजबीन और आसपास के थाना क्षेत्रों को अलर्ट करने की मांग की है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि सूचना मिलते ही खोजबीन शुरू कर दी गई है। संगम क्षेत्र और आस-पास के इलाकों में गुमशुदा युवती की तलाश की जा रही है। पुलिस द्वारा संबंधित स्थानों पर पूछताछ के साथ-साथ तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर भी जांच की जा रही है। जानकारी मिले तो तुरंत नीचे दिए गए नंबरों पर संपर्क करें।

कोमल मिश्रा का मोबाइल नंबर: 9369641082

प्रार्थी रीता मिश्रा का संपर्क नंबर: 7506838704

मानसिक प्रताड़ना से आहत प्रेमी ने ट्रेन के आगे कूद कर की आत्महत्या

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर। जनपद के कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव हसनापुर निवासी 22 वर्षीय प्रेमी युवक नयन कैथल ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली स्थानीय लोगों ने परिजनों एवं पुलिस प्रशासन को सूचना दी जहां जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया वहीं मौके पर पहुंची कल्याणपुर थाना पुलिस प्रशासन ने शव को कब्जे में लेकर शवविच्छेदन गृह फतेहपुर के लिए रवाना किया मिली जानकारी के अनुसार युवक नयन कैथल अपने पिता रमेश कैंथल का इकलौता सुपुत्र था जिसे नजदीकी गांव सौंरा के कुछ लोगों द्वारा मानसिक प्रताड़ना दी जा रही थी प्रेम प्रसंग के चलते इस प्रताड़ना से आहत होकर युवक ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया समेत अनेक प्लेटफार्मों पर वायरल किया जिसमें उसने एक युवती से प्रेम प्रसंग की बात बताई वहीं मृतक युवक ने वीडियो में बताया कि वह उस युवती से प्रेम

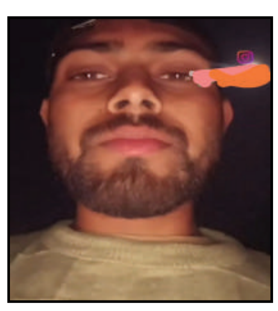

करता है जबकि उसके परिजन लड़की की शादी दूसरी जगह कर रहे हैं तथा मृतक युवक को मारने की धमकी दे रहे हैं वहीं परिजनों द्वारा जानकारी मिली कि मृतक की बहन का विवाह हाल ही में कुछ दिनों में संपन्न होना था जिसकी तैयारी भी चल रही थी इस घटना से पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई जानकारी लेने पर थाना प्रभारी सुमित देव पाण्डेय ने बताया कि वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है जिसे गंभीरता से लिया जाएगा तथा सभी तथ्यों पर विशेष जांच करते हुए दोषियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी

पिता की मौत के 11 घंटे बाद बेटे की मौत

मेरठ में ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, हादसे में भाई घायल; जयपुर से लौट रहे थे

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सरधना थाना क्षेत्र में सुबह करीब 9 सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। युवक अपने पिता के निधन की सूचना पर जयपुर से मुजफ्फरनगर स्थित अपने घर लौट रहा था। हादसे में उसका भाई घायल हो गया। मृतक की पहचान मुजफ्फरनगर की इमरान कॉलोनी सरवट निवासी शुऐब पुत्र हनीफ के रूप में हुई है। शुऐब अपने भाई शाहवेज के साथ जयपुर में फर्नीचर का काम करता था। रात करीब 10 बजे उनके पिता हनीफ का हार्ट अटैक से निधन हो गया था।

घर के लिए निकले थे दोनों भाई

बेटे शाहवेज ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि हमारे पिता का कल देर रात इंतकाल हो गया था। मौत की सूचना मिलने पर हम दोनों भाई बाइक से मुजफ्फरनगर की इमरान कॉलोनी सरवट घर के लिए निकले थे। बुधवार सुबह करीब पौने 9 बजे कांवड़ मार्ग स्थित छोटी मढियाई गांव के सामने पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे भाई शुऐब की मौत हो गई।

शुऐब की मौके पर ही हुई मौत

इस टक्कर से बाइक चला रहे शुऐब की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शाहवेज को चोटें आईं। सूचना मिलने पर परिजन और सरधना के रिश्तेदार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार ट्रक की तलाश शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर सरधना दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है ।

अविनाश पांडे होंगे मेरठ के नए एसएसपी

विपिन ताडा को मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी, जॉइंट पुलिस कमिश्नर कानपुर बनाए गए

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , एसएसपी/डीआईजी विपिन ताडा का ट्रांसफर हो गया। विपिन ताडा को कानपुर का जॉइंट कमिश्नर बनाकर भेजा गया है। उनकी जगह 2015 बैच के आईपीएस अविनाश पांडे को मेरठ का नया एसएसपी बनाया गया है। अविनाश पांडे पूर्व में मेरठ में एसपी देहात की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। 24 आईपीएस को मिली नई जिम्मेदारीपिछले कई दिन से ट्रांसफर लिस्ट को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे। कई बड़े नाम में मेरठ के एसएसपी डॉक्टर विपिन ताडा नाम भी शामिल था, क्योंकि हाल ही में उनका प्रमोशन हुआ था। देर शाम शासन ने 24 आईपीएस अफसरों के ट्रांसफर कर दिए, जिसमें विपिन ताडा का नाम भी शामिल रहा। उन्हें जॉइंट कमिश्नर कानपुर बनाकर भेजा गया है मेरठ में एसपी देहात रहे हैं अविनाश पांडे2015 बैच के आईपीएस अविनाश पांडे को मेरठ का नया एसएसपी बनाकर

भेजा गया है। उनको मेरठ का खासा तजुर्बा है। वह यहां एसपी देहात की भी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि नए एसएसपी को मेरठ की तासीर समझने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। अविनाश पांडे खीरी के रहने वाले हैं। 22 अप्रैल 2025 को उन्हें प्रथम वाहिनी एसएसएफ लखनऊ का कमांडेंट बनाया गया था। शासन ने भरोसा जताते हुए एक बार फिर उन्हें मेरठ का मुख्य दायित्व सौपा है। विपिन ताडा ने अपराधियों पर कसा शिकंजाजनवरी के प्रथम सप्ताह में ही डॉक्टर विपिन ताडा को एडीजी जोन भानु भास्कर और डीआईजी रेंज कलानिधि नैथानी ने डॉ विपिन ताडा को डीआईजी का बैज लगाए।

शादी का झांसा देकर किशोरी को भगाने का आरोप,कार्यवाही की मांग

इसके पूर्व एक बेटी को राजस्थान लेजाकर बेच चुका है आरोपी, दुसरे बेटी को भी ले जा रहा था

अमन लेखनी समाचार

मिर्जापुर। ड्रमण्डगंज क्षेत्र के एक गांव निवासी 14 वर्षीया किशोरी की मां बेटी को शादी का झांसा देकर ले जाने वाले गांव निवासी व्यक्ति के विरुद्ध कार्यवाही के लिए थाने का चक्कर लगा रही है। क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी को शादी का झांसा व रुपए का लालच देकर राजस्थान ले जा रहे युवक के विरुद्ध किशोरी की मां ने थाने पर तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की थी। दी गई तहरीर में किशोरी की मां ने आरोप लगाया कि बेटी को शादी का झांसा देकर गांव निवासी युवक राजस्थान ले जा रहा था मामले की जानकारी होने पर थाने में शिकायत की। किशोरी की मां की तहरीर पर पुलिस जांच में जुट गई। जहां रात किशोरी को राजस्थान ले जा रहा युवक प्रयागराज से वापस लौटकर किशोरी को लेकर उसके घर पहुंचा। बेटी को शादी का झांसा देकर राजस्थान ले जा रहे युवक के विरुद्ध कार्यवाही की मांग कर रही मां थाने पर पहुंची लेकिन कोई सुनवाई नही होने पर शाम को बेटी के साथ घर वापस लौट आई। किशोरी की मां ने आरोप लगाया कि युवक बेटी को शादी का झांसा देकर बहला फुसलाकर राजस्थान में बेचने के लिए ले जा रहा था। इसके पूर्व मेरी एक बेटी को राजस्थान में ले जाकर बेंच चुका है। आरोप लगाया कि तहरीर देने के बाद भी युवक के विरुद्ध पुलिस कोई कार्यवाही नही कर रही है। इस संबंध में कार्यवाहक थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने बताया कि किशोरी अपने घर सुरक्षित वापस आ गई है मामले की जांच की जा रही है।

सुप्रीम सख्ती से सदमे में सेंट्रल मार्केट के व्यापारी

बोले- इस उम्र में कौन देगा काम, आवास एवं विकास परिषद भी तैयारी में जुटा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,सेंट्रल मार्केट के व्यापारियों को अब चमत्कार का ही सहारा है। सुप्रीम कोर्ट ने यहां के शेष अवैध निमार्णों से जुड़े मामले में 17 दिसंबर, 2024 को कोर्ट की ओर से जारी आदेशों को सही ठहराते हुए ध्वस्तीकरण की संभावनाओं पर मोहर लगा दी है।सुप्रीम फरमान के बाद सेंट्रल मार्किट के व्यापारी सदमे में है। उन्हें भविष्य की चिंता सता रही है। हालत यह है कि अब वह विरोध का साहस भी नहीं जुटा पा रहे हैं। 27 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल मार्केट से जुड़े मामले की 27 जनवरी, 2026 को सुनवाई करते हुए अवैध निर्माण ध्वस्त करने के आदेश किए हैं। सुनवाई का आदेश अपलोड हुआ तो व्यापारियों में खलबली मच गई। पूरे बाजार में मायूसी छा गई। आवास एवं विकास परिषद भी सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद किसी भी तरह की लापरवाही बरतने के मूड में नहीं है और जो छह सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है, उसे तैयार करने में जुट गया है। अफसरों का कहना है कि आगे जो भी आदेश होगा, उसी के अनुरूप कार्रवाई की जाएगी। पहले जानते हैं सेंट्रल मार्केट के बारे में शास्त्री नगर के सेंट्रल मार्केट में भूखंड संख्या 661/6 था। आवास विकास परिषद के रिकॉर्ड के अनुसार,यह भूखंड वर्ष 1986 में काजीपुर निवासी वीर सिंह को आवंटित किया गया था। 30 अगस्त, 1986 को उन्हें भूखंड का कब्जा सौंपा गया। इसके बाद 6 अक्टूबर, 1988 को फ्री होल्ड डीड जारी की गई, जिसमें साफ तौर पर उल्लेख था कि यह संपत्ति केवल आवासीय उपयोग के लिए है, लेकिन कुछ ही वर्षों बाद विनोद अरोड़ा ने पावर ऑफ अटॉर्नी के माध्यम से इस संपत्ति का नियंत्रण प्राप्त कर लिया और उस पर 22 व्यावसायिक दुकानें बनवा डालीं। इसके बाद वहां कमर्शियल यूज बढ़ता चला गया।नोटिस-नोटिस खेलते रहे, नहीं हुई कार्रवाई19 सितंबर, 1990 को आवास विकास परिषद ने इस निर्माण को अवैध घोषित करते हुए नोटिस दिया और तत्काल काम रोकने की हिदायत दी। इसके बावजूद ना तो निर्माण रूका और ना ही भू उपयोग ही बदला। - 9 फरवरी, 2004 को परिषद ने निर्माण अधिनियम की धारा-83 के तहत आदेश दिया कि अवैध निर्माण रोकें नहीं तो ध्वस्त करें। - 23 मार्च, 2005 को आवास एवं विकास परिषद ने ध्वस्तीकरण आदेश पारित कर दिए जो कागजों तक सिमटे रहे।

विधायिका रिंकी कोल ने बिरसा मुंडा के प्रतिमा का अनावरण किया

अमन लेखनी समाचार

मिर्जापुर। हलिया थाना क्षेत्र के हथेड़ा गांव पहड़ी पर मुख्य अतिथि छानबे विधायिका रिंकी कोल ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया। विधायक ने क्षेत्रीय लोगों के साथ बिरसा मुंडा की पूजा अर्चना की। विधायक रिंकी कोल ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानी भगवान बिरसा मुंडा ने आजीवन अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष किया। अंग्रेजों और जमींदारों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों के खिलाफ आदिवासियों को एकजुट किया। कहा कि जल जंगल और जमीन की रक्षा करने वाले निडर योद्धा थे।

विद्यालय के सर्वांगीण विकास पर प्रधानाध्यापक के लिए शिक्षक पुरस्कार की पहल

सराहनीय कार्य को देखते हुए भाजपा नेता ने प्रधान अध्यापक को शिक्षक पुरस्कार दिलाने हेतु की सांसद से मांग

अमन लेखनी समाचार

कायमगंज / फर्रूखाबाद बच्चों के साथ स्कूल का सर्वांगीण विकास कराने में प्रधानाध्यापक की भूमिका की सराहनीय करते हुए भाजपा नेता नबाब सिंह वर्मा ने सांसद से शिक्षक पुरुस्कार दिलाने की मांग का समर्थन किया । वे आज विकास खंड कायमगंज के प्राथमिक विद्यालय मदारपुर में स्कूल प्रबंधन समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे । वरिष्ठ भाजपा नेता चीनी मिल संघ के प्रांतीय सदस्य, एसएनएम इंटर कालेज कायमगंज के सेवानिवृत्त प्रवक्ता एवं ग्राम पंचायत प्रतिनिधि नबाब सिंह वर्मा ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रधानाध्यापक राजकिशोर शुक्ल की सराहनीय कार्यशैली को देखते हुए सांसद मुकेश राजपूत से शिक्षक पुरस्कार दिलाने की मांग की जायेगी। बैठक में मौजूद सांसद प्रतिनिधि अशोक कुमार वर्मा ने उपस्थित अभिभावकों से वोटर लिस्ट का गहन निरीक्षण कर जिनके नाम वोटर लिस्ट में शामिल नहीं है उनसे कहा कि वह तत्काल फार्म 6 भरकर जमा करें। उन्होंने कहा कि कल गांव में शिविर लगाकर वोट बनवाने का काम किया जायेगा। प्रधानाध्यापक राजकिशोर शुक्ल ने कहा कि इस माह नौ तारीख को निपुण टेस्ट होगा

संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन, छात्र-छात्राओं को दी गई सुरक्षा और जागरूकता की जानकारी

अमन लेखनी समाचार

आजमगढ़ के डीएवी कॉलेज में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में ट्रैफिक पुलिस, अग्निशमन विभाग, मिशन शक्ति और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने मॉक ड्रिल और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा, महिला सुरक्षा और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना था।ट्रैफिक पुलिस ने हेलमेट-सीट बेल्ट की अनिवार्यता और ह्यगोल्डन ऑवरह्व की जानकारी दी। अग्निशमन विभाग ने आग बुझाने और रेस्क्यू ऑपरेशन का जीवंत प्रदर्शन किया। मिशन शक्ति टीम ने 1090 सहित महिला सुरक्षा हेल्पलाइन और आत्मरक्षा की जानकारी दी। साइबर सेल ने डिजिटल फ्रॉड, ओटीपी स्कैम और साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में जागरूक किया।

शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्ण हो:- अनुनय झा

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई मे आज कुल 63 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हो। जन सुनवाई में एक राशन कार्ड, एक दिव्यांग पेंशन, दो बाल सेवा योजना तथा एक निराश्रित महिला पेंशन के संबंध में तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये तथा प्राप्त कुछ शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रियंका सिंह व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे

नन्द के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की.....

कृष्ण जन्म की कथा पर जमकर झूमे भक्त

अमन लेखनी समाचार/ हेमन्त यादव

गुरसरांय। दिव्य प्रेम सेवा मिशन झांसी अंचल के तत्वावधान में आयोजित बुन्देलखण्ड कुरैठा महोत्सव में चौथे दिन संगीतमय श्रीमद्भागवत के चौथे दिन कृष्णजन्म की कथा का वर्णन किया गया। नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की धुन से वातावरण भक्तिमय हो गया। माखन मिश्री एवं दूध दही के वितरण के साथ वातावरण ब्रजमय हो गया। वृन्दावन धाम से पधारीं कथा वाचिका साधना श्रीजी (देवी महेश्वरी) ने नंद महोत्सव की कथा सुनाते हुए कहा कि भगवान कृष्ण ब्रम्ह का अवतार है। उनके जन्म पर सारी प्रकृति ने अपने नियम बदल दिए। विभिन्न देवी देवताओं ने ब्रजमंडल में भगवान की लीलाओं में सहयोग करने के लिए अवतार लिया। भगवान ने बाल लीलाओं का सुख प्रदान करने एवं नन्द यशोदा के पूर्व जन्म में किए गए तप को दिए वरदान देने के लिए ब्रजमंडल में अवतार लिया और अपनी बाल लीलाओं का आनंद ब्रजवासियों को दिया। बुन्देलखण्ड कुरैठा महोत्सव में यज्ञाचार्य ज्ञानेन्द्र शास्त्री अयोध्या के सानिध्य में यज्ञ कराया जा रहा।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित शासकीय अपर महाधिवक्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार के उपाध्यक्ष महेश चतुर्वेदी ने कहा कि क्षेत्रवासी बड़े सौभाग्यशाली है जिन्हें यह सत्संग प्राप्त हो रहा है। सत्संग से ही विवेक जाग्रत होता है और विवेक के जाग्रत होने के बाद व्यक्ति के प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है एवं आपसी एकता सद्भावना को सुदृढ़ करता है। अतिथियों ने श्रीमद्भागवत की आरती कर व्यास पीठ से आशीर्वाद लिया। अतिथि का स्वागत एवं सम्मान कार्यक्रम के संयोजक डॉ०जगदीश सिंह चौहान, सह संयोजक केशव सिंह परिहार एवं अपर्णा वीरांगना राष्ट्रीय संयोजक मातृ शक्ति ने किया तथा संचालन झांसी अंचल के सह संयोजक बद्री प्रसाद त्रिपाठी ने किया। श्रीमद्भागवत पुराण की आरती क्षेत्रीय विधायक जवाहर लाल राजपूत, पूर्व एमएलसी श्याम सुंदर सिंह पारीछा, पूर्व जिलाध्यक्ष महानगर हेमंत सिंह परिहार, अरिदमन सिंह राजीव गुर्जर, दिनेश सिंह सेंगर सैदनगर, रामकुमार सिंह परिहार, कमलापति उपाध्याय, अनुज द्विवेदी नागर, मूरतध्वज सिंह बरगांय, राजू कछवाह धनौरा, सार्थक नायक, जे.जे.मिश्रा, मिन्टू पटैरिया, विजय सिंह, लक्ष्मण सिंह अस्ता, सुखदेव सिंह दीपू अस्ता, राजू सेंगर, गोविन्द प्रताप सिंह, अयोध्या सिंह फौजी, सरदार सिंह लल्ला सहित आदि लोग शामिल रहे। भागवत कथा के यजमान संध्या जितेन्द्र सिंह परिहार रहे।

इस अवसर पर अमित प्रताप भदौरिया, अनिरुद्ध सिंह, अभिषेक सिंह परिहार, मानवेन्द्र सिंह माना प्रधान, नाती राजा भदौरिया, चन्द्रभान सिंह ब्लाक प्रमुख बामौर, रामप्रकाश सिंह चौहान, बबलू चौहान, योगेश प्रताप सिंह चौहान, कल्याण सिंह, विजय त्रिपाठी, अजय प्रताप सिंह, रितिक सिंह, सुयश प्रताप सिंह चौहान, गोल्डी चंदेल सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

आवारा कुत्तों के लिए नसबंदी , आश्रय केंद्र, फीडिंग जोन और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए बजट प्रावधान की कमी

अमन लेखनी समाचार

ठाणे : ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और उनके प्रबंधन को लेकर प्राणीप्रेमियों ने मनपा प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) के जिला अध्यक्ष मनोज प्रधान के नेतृत्व में प्राणीप्रेमियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मनपा आयुक्त सौरव राव से मुलाकात कर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप ठोस व्यवस्था करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने आयुक्त के समक्ष मांग रखी कि आगामी मनपा बजट में आवारा कुत्तों की नसबंदी (स्टरलाइजेशन), देखभाल, आश्रय, स्वास्थ्य सेवाएं और भोजन व्यवस्था के लिए विशेष वित्तीय प्रावधान किया जाए। उनका कहना था कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं को आवारा कुत्तों के संरक्षण, नियंत्रण और मानवीय देखभाल के स्पष्ट निर्देश दिए हैं, लेकिन ठाणे में इनका प्रभावी पालन नहीं हो रहा है।

लोकनिर्माण विभाग ने दुकानदारों को नोटिस किया जारी

अमन लेखनी समाचार

माधौगंज, हरदोई। सड़क किनारे बिल्डिंग मटेरियल के दुकानदारों द्वारा अवैध अतिक्रमण किए जाने की शिकायत किसान मजदूर विकास समिति के पदाधिकारी सुभाष चंद्र ने लोकनिर्माण से की थी। शिकायत पत्र का संज्ञान लेते हुए लोकनिर्माण खंड दो के सहायक अभियंता ने चौराहा से बिलग्राम मार्ग के दोनों सड़क किनारे पर बिल्डिंग मटेरियल के दुकानदारों को 2 फरवरी को नोटिस जारी कर अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश दो दिवस मे दिए है।

डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम के तहत पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

सदफ सलमान प्रथम, माहे उरूज दूसरे व जारा तीसरे स्थान पर रहीं

पीएसआई इंडिया व केनव्यू के सहयोग से प्रतियोगिता का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

मुरादाबाद। डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को प्रताप सिंह हिंदू गर्ल्स इंटर कॉलेज में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गयी। डायरिया के प्रति जागरूकता के लिए इस मौके पर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 58 छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें कक्षा-11 की सदफ सलमान पहले, कक्षा-11 की ही माहे उरूज दूसरे और कक्षा -9 की जारा तीसरे स्थान पर रहीं। कक्षा-9 की इमरा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इस मौके पर छात्राओं एवं अध्यापकों की हीमोग्लोबिन की जांच भी की गई।

प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं को डायरिया रोकथाम और प्रबन्धन के बारे में विस्तार से बताया गया। नुक्कड़ नाटक और पोस्टर के जरिए डायरिया से बचाव के जरूरी सन्देश दिए गए कि टीकाकरण सारणी के अनुसार सारे टीके लगवाएं और रोटावायरस, विटामिन ए को लेना न भूलें। भोजन को ढककर रखें ताकि मक्खियाँ उस पर न बैठें। जिंक की खुराक को दस्त ठीक होने के बाद भी 14 दिनों तक जारी रखें। पीने के पानी को साफ रखें और पीने के पानी को निकालने के लिए डंडीदार लोटे का प्रयोग करें। छह माह से छोटे बच्चों को दस्त होने पर भी स्तनपान जारी रखें। डायरिया के दौरान ओआरएस से शरीर में पानी की कमी को रोकें। इस मौके पर प्रधानाचार्य सीमा शर्मा, विद्यालय के समस्त शिक्षक के साथ स्वास्थ्य विभाग से तारिक अंसारी, हेमा एवं लैब टेक्नीशियन संदीप और पीएसआई इंडिया से कोमल घई, मोहम्मद रिजवान, ममता सैनी आदि उपस्थित रहे।

गलत इलाज से महिला की मौत, मुकदमा दर्ज होने के बाद भी कार्रवाई शून्य

शाहाबाद में राजपूत हास्पिटल में प्रकरण ठंडे बस्ते में, स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी सवालों के घेरे में

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई):जनपद के थाना शाहाबाद क्षेत्र अंतर्गत मोहल्ला सैयदवाड़ा स्थित मनोज राजपूत हॉस्पिटल में गलत इलाज के दौरान एक महिला की मौत का मामला अब प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण बनता जा रहा है। इस घटना में श्रीमती रुचि (उम्र लगभग 30 वर्ष), पत्नी राजीव पुत्र संतराम, निवासी मोहल्ला सुलेमानी, थाना शाहाबाद, जनपद हरदोई की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी। मामले में पुलिस द्वारा राजपूत नर्सिंग होम के संचालक मनोज वर्मा पुत्र राजा राम वर्मा, निवासी ग्राम सहोरा, थाना शाहाबाद के विरुद्ध धारा 34 राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम 2019 एवं धारा 106 (1) बीएनएस के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है। बावजूद इसके, घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी न तो आरोपी के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई की गई और न ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई विभागीय कदम उठाया गया है। स्थानीय लोगों और मृतका के परिजनों का आरोप है कि पूरा मामला जानबूझकर ठंडे बस्ते में डाला जा रहा है। चर्चा यह भी है कि ऐसे मामलों में अक्सर कुछ समय बाद नर्सिंग होम का नाम बदलकर या किसी नए नाम से पंजीकरण कराकर पुनः संचालन शुरू करा दिया जाता है, जिससे दोषी कानून के शिकंजे से बच निकलते हैं। और राजपूत नर्सिंग होम के कई नाम बदले भी जा चुके है। क्षेत्र में यह चर्चा भी आम है कि अस्पताल संचालक का समाजवादी पार्टी के राजनीतिक दल से जुड़ाव बताया जा रहा है. और कई बार समाजवादी पार्टी से चुनाव की तैयारी भी की गई। लेकिन योगी सरकार में भी ऐसे लोगों पर भी कार्यवाही आखिर क्यों नहीं हो रही है। और किस कारण प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई में ढिलाई बरती जा रही है। हालांकि इस संबंध में संबंधित विभागों की ओर से कोई आधिकारिक बयान समाजवादी पार्टी जिंदाबाद अखिलेश यादव जिंदाबाद सामने नहीं आया है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जब मुकदमा दर्ज हो चुका है, तो फिर कार्रवाई में इतनी हिलाहवाली क्यों की जा रही है? क्या स्वास्थ्य विभाग किसी और बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? यह मामला केवल एक परिवार के साथ अन्याय नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। लोगों ने जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

नाली निर्माण के दौरान दीवार ढही, दो श्रमिकों की मौत

अमन लेखनी समाचार/अभिषेक सिंह

कासिमपुर। कासिमपुर थाना क्षेत्र के हिया गांव में शुक्रवार दोपहर दर्दनाक हादसा हो गया। ग्राम पंचायत द्वारा कराए जा रहे नाली निर्माण कार्य के दौरान अचानक पास की एक कच्ची दीवार ढह गई। मलबे में दबकर एक राजमिस्त्री और एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे से गांव में अफरा-तफरी मच गई। कासिमपुर थाना क्षेत्र के हिया गांव में रामरतन के घर से बेचेलाल की चौपाल तक इंटरलॉकिंग और नाली निर्माण का कार्य चल रहा था। इस दौरान नौतेरा गांव निवासी राजेंद्र (40) राजमिस्त्री के रूप में कार्य कर रहे थे, जबकि हिया गांव निवासी इसरार उर्फ गुड्डू मजदूरी कर रहे थे। तभी पास में स्थित जोद्धी नामक व्यक्ति की पुरानी कच्ची दीवार अचानक भरभराकर गिर पड़ी। भारी मलबे के नीचे दोनों श्रमिक दब गए। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों और परिजनों ने कड़ी मशक्कत कर दोनों को मलबे से बाहर निकाला और तुरंत बेहंदर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। राजेंद्र की मौत से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वह पत्नी और पांच बच्चों—चार बेटियां और

एक बेटे—को छोड़ गए हैं। वहीं इसरार के परिवार में पत्नी समेत नौ बच्चे हैं, जिनमें सात बेटियां और दो बेटे शामिल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कासिमपुर एसओ घनश्याम राम ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

खाद की किल्लत से किसानों में आक्रोश

सरकारी समितियो में नहीं खाद निजी दुकानदारों से लुट रहे किसान

अमन लेखनी समाचार

नसीराबाद रायबरेली/छतोह क्षेत्र के सरकारी समितियों में खाद् की किल्लत हो गई है जिससे किसानों की फसल को भारी नुकसान हो रहा है इस हालत में किसान की फसल दोगुनी नहीं हो सकती जिसको लेकर किसान भारी आक्रोश में हैं दूसरी ओर निजी दुकानदारों से किसान लुटने को मजबूर हैं क्योंकि निजी दुकानदार महंगे दामों में खाद बेच रहे हैं वह भी सल्फर और जिंक की पैकेट लगाकर अब ऐसे हालात में गरीब किसान के पास इतनी आमदनी नहीं है कि 266 रुपया की सरकारी रेट की खाद् निजी दुकानदारों से वह 500 से लेकर 600 रूपए तक खरीद सके किसान बताते हैं कि यही समय फसल की बाढ़ और दोगुनी होने का लाभ मिलता है जिससे फसल में भारी मात्रा में अनाज के पैदावार का लाभ मिलता है लेकिन किल्लत समितियों में खाद् न होना जैसे महामारी हो गयी है अब ऐसे में किसान अपनी फसलो को दोगुनी करने में नाकाम है इस स्थिति में आनाज की पैदावार कम होने की सम्भावना हो जाएंगी जबकि क्षेत्र में आधा दर्जन से ज्यादा स्थानों पर समितियां जैसे गांधीनगर, मियां का पुरवा नसीराबाद समिति और नसीराबाद संघ छतोह पूरे राई आदि लेकिन दुर्भाग्य इन सभी समितियो में खाद्य की किल्लत है किसान नेता अराजनैतिक तहसील अध्यक्ष शिव बहादुर सिंह ने कहां कि खाद्य को लेकर उनकी जिला कृषि अधिकारी से बात की गई तो जवाब मिला कि समिति के सचिवों की लापरवाही है स्टॉक में खाद्य की कमी नहीं है ग्रामीण रामानुज, प्रमोद ,कुमार ,शिवमोहन ,भारत लाल, देवता दिन, राम निधि ,रामगोपाल ,सरजू ,मयंक, कल्लू ,गोविंद, प्रमोद कुमार ,निधि सिंह, विवेक कुमार ,आलोक प्रताप ,रामदेव आदि लोगों का कहना है कि किसानों के लिए प्रत्येक वर्ष यही स्थिति उत्पन्न रहती है

जीपीएफ-एनपीएस फाइलों से लेकर सभी विभागों की गहन जांच, 6 फरवरी के मंडलायुक्त निरीक्षण से पहले डीएम दीपक मीणा की सख्त तैयारी

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। पर्यटन भवन में कलेक्ट्रेट के सभी विभागों में संचालित फाइलों की व्यापक और सघन जांच का अभियान जिला प्रशासन द्वारा तेज कर दिया गया है। कर्मचारियों से जुड़ी जीपीएफ (जनरल प्रोविडेंट फंड) और एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम) की लंबित व अद्यतन न की गई फाइलों को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जा रहा है। यह पूरी कवायद प्रस्तावित 6 फरवरी को मंडलायुक्त के निरीक्षण से पहले किसी भी स्तर पर कमी न रह जाए, इसी उद्देश्य से की जा रही है। जिलाधिकारी दीपक मीणा स्वयं इस पूरे अभियान की लगातार निगरानी कर रहे हैं। डीएम ने वीडियो कॉलिंग के माध्यम से अधिकारियों से फीडबैक लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि जीपीएफ और एनपीएस जैसी संवेदनशील और कर्मचारियों के भविष्य से जुड़ी फाइलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी की सेवा पुस्तिका, जीपीएफ खाते की प्रविष्टियां और एनपीएस से संबंधित दस्तावेज पूर्ण, अद्यतन और ऑनलाइन सत्यापित होने चाहिए। डीएम के निदेर्शों के अनुपालन में उनके अधीनस्थ वरिष्ठ अधिकारियों ने पर्यटन भवन और कलेक्ट्रेट परिसर के विभिन्न अनुभागों का विधिवत मुआयना किया। इस दौरान एडीएम प्रशासन सहदेव मिश्रा, एडीएम सिटी अंजनी कुमार सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी हिमांशु वर्मा तथा सिटी मजिस्ट्रेट उत्कर्ष श्रीवास्तव ने एक-एक विभाग की फाइलों का क्रमवार निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वास्तविक स्थिति का आकलन कर कमियों को समय रहते दूर करना रहा। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि पुरानी सेवा शर्तों के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों के जीपीएफ खाते नियमित रूप से अपडेट हों, वहीं नई नियुक्तियों के मामलों में एनपीएस फाइलें पूरी और पोर्टल पर सही तरीके से अपलोड हों। जिन विभागों में तकनीकी त्रुटियां, दस्तावेजों की कमी या लंबे समय से लंबित प्रविष्टियां पाई गईं, वहां संबंधित लिपिकों और अनुभाग प्रभारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि समय-सीमा में सुधार न होने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट के सभी विभागों की फाइलों को विभागवार चिन्हित कर सूचीबद्ध किया गया है, ताकि निरीक्षण के समय हर विभाग की स्थिति स्पष्ट रहे। जिलाधिकारी कार्यालय में प्रशासनिक आदेश, जनशिकायत, कानून-व्यवस्था और वीआईपी प्रोटोकॉल से जुड़ी फाइलों की समीक्षा की गई। एडीएम प्रशासन अनुभाग में स्थापना, जीपीएफझ्एनपीएस समन्वय और विभागीय जांच फाइलों का परीक्षण हुआ। एडीएम वित्त एवं राजस्व के अंतर्गत बजट, कोषागार और राजस्व वसूली से संबंधित फाइलें देखी गईं। एडीएम सिटी कार्यालय में नगर क्षेत्र प्रशासन, अतिक्रमण और शहरी कानून-व्यवस्था की फाइलों का निरीक्षण किया गया। मुख्य राजस्व अधिकारी कार्यालय में नामांतरण, खतौनी, सीमांकन और राजस्व वाद निस्तारण से जुड़ी फाइलें खंगाली गईं। सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय में मजिस्ट्रियल आदेश, शस्त्र लाइसेंस और जनसुनवाई की फाइलों की स्थिति परखी गई। इसके अलावा जिला कोषागार कार्यालय में वेतन, पेंशन, जीपीएफ लेखा और एनपीएस अंशदान की फाइलों की विशेष जांच की गई। स्थापना अनुभाग में कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाएं, नियुक्ति, पदोन्नति, स्थानांतरण और अवकाश से जुड़ी फाइलें देखी गईं। लेखा अनुभाग में बिल, वाउचर और ऑडिट आपत्तियों की समीक्षा हुई। कानून अनुभाग में शासकीय वाद और पैरवी रिपोर्ट की फाइलें जांची गईं। इसी तरह आपदा प्रबंधन विभाग की राहत और मुआवजा फाइलें, चुनाव शाखा की मतदाता सूची और निर्वाचन से जुड़ी फाइलें, समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण से संबंधित योजनाओं की फाइलें, सूचना एवं जनसंपर्क अनुभाग की प्रेस विज्ञप्ति और मीडिया समन्वय फाइलें, नजारत अनुभाग, रिकॉर्ड रूम, आईटी/ई-ऑफिस अनुभाग तथा पर्यटन भवन प्रशासन अनुभाग की फाइलों का भी क्रमवार निरीक्षण किया गया।

सोनभद्र में यात्रियों से भरी बस खाई में पलटी, यात्री घायल

स्टेयरिंग फेल होने से हादसा, 1 की हालत गंभीर; अस्पताल में इलाज जारी।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। यात्रियों को लेकर जा रही बस का अचानक स्टेयरिंग फेल होने के कारण अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। बस में करीब 20 यात्री सवार थे। हादसे में कई यात्रियों को चोटें आई हैं, जिनमें 1 की हालत गंभीर है। स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस से सभी घायलों को सीएचसी भेजा है। यह हादसा कोन थाना क्षेत्र के खेमपुर गांव के पास गुरुवार की सुबह का है। तेलगुड़वा से कोन से आ रही एक यात्रियों से भरी बस की अचानक स्टेयरिंग फेल हो गया। बस अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। बस में करीब 20 यात्री सवार थे। हादसे में दर्जनों यात्रियों को चोटें आई हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर एम्बुलेंस पहुंची और सभी घायलों को कोन सीएससी भेजा गया, जहां घायलों की इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गंभीर रूप से घायल यात्रियों में से एक को सिर में गहरी चोट लगी है। गंभीर घायलः एक यात्रियों की स्थिति नाजुक बनी हुई है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर राहत कार्य शुरू किया और यातायात को सुचारू कराया। वहीं चिकित्सा अधिकारी कोन ने बताया कि मखन्नचू उम्र लगभग 65 वर्ष डाल्टेनगंज झारखंड निवासी हैं जिनकी सर में चोट लगी है उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

कच्छ वागड़ लोहाणा मंडल की ओर से रांदल माताजी का समारोह

अमन लेखनी समाचार

ठाणे ; एन.के.टी. सभागृह में श्री कच्छ वागड़ लोहाणा मंडल की ओर से रांदल माताजी के लोटे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि समाजरत्न नानजीभाई खिमजीभाई ठक्कर ठाणावाला , नटवरलाल वीरजीभाई ठक्कर तथा राजेंद्र पुराणिक उपस्थित थे। श्री कच्छ वागड़ लोहाणा मंडल की बहनें सौ. हेतल ठक्कर, श्रीमती कल्पना ठक्कर, श्रीमती तरुणा ठक्कर, श्रीमती गीता ठक्कर, श्रीमती मीना ठक्कर, श्रीमती हिना ठक्कर सहित समाज की अन्य महिलाएं भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर आयोजन समिति की ओर से नानजीभाई ठक्कर का पुष्पहार एवं शाल देकर स्वागत किया गया।

छतोह ब्लॉक की सड़कें बदहाल,

राहुल गांधी और स्मृति ईरानी को सबक सिखा चुकी है जनता

अमन लेखनी समाचार

नसीराबाद, रायबरेली। भारत ही नहीं विदेशों में भी चर्चित अमेठी संसदीय क्षेत्र का एक विधान सभा क्षेत्र है सलोन। इस विधानसभा क्षेत्र के छतोह ब्लॉक की अधिकांश सड़कों की हालत बहुत ही खराब है। कई साल पहले स्वीकृत क्षेत्र की कई सड़कें अधूरी पड़ी हैं, जिससे राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। 14.5किमी लंबा नसीराबाद से मखदूमपुर मार्ग बदहाल है जिससे हजारों लोगों का दैनिक आवागमन होता है। भाजपा विधायक अशोक कुमार के प्रयास से इस मार्ग को स्वीकृति तो मिली, लेकिन केवल पटरी भराई के बाद कार्य बंद हो गया। उदयपुर रजबहा से बेवल सन्नहिया रोड 07 किमी, धरई

चौराहे से कनकपुर होते हुए बिरनावां मार्ग 05 किमी, कुकहा से सिद्धनाथ मंदिर होते हुए बिरनावां तक04 किमी, मेंहदीगंज से नसीरपुर प्रतापगढ़ बार्डर तक नहर की पटरी 04 किमी आदि पक्के मार्ग पूरी तरह उखड़ चुके हैं। डीघा चौराहे से डीघा गांव तक का 01किमी मार्ग भी चलने लायक नहीं बचा है। डीघा गांव के प्रधान प्रतिनिधि अमर नाथ सरोज ने बताया कि यह मार्ग बीते पांच वर्षों से खराब पड़ा है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। क्षेत्र की कई अन्य सड़कें भी ऐसी हैं जहां वाहन चलाना तो दूर, पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। क्षेत्रीय विधायक अशोक कुमार ने बताया कि क्षेत्र की खराब सड़कों की मरम्मत के प्रस्ताव संबंधित विभागों को भेजे जा चुके हैं। शीघ्र ही मरम्मत कार्य आरम्भ होंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्रीय समस्याओं के प्रति उदासीनता के कारण ही यहां की जनता पहले राहुल गांधी और फिर स्मृति ईरानी को सबक सिखा चुकी है। वर्तमान जनप्रतिनिधियों को इस क्षेत्र की समस्याओं पर भी ध्यान देना होगा।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक–
श्रीमती अखिलेश सिंह
समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

सेलिब्रेशन/ शिखर चंद जैन

ये अनोखे फेस्टिवल्स यहां बच्चे करते हैं फुल मस्ती-धमाल

फेस्टिवल कोई भी हो, उसे सबसे अधिक एंज्वॉय बच्चे ही करते हैं। हम तुम्हें दुनिया भर में मनाए जाने वाले कुछ ऐसे फेस्टिवल्स के बारे में बता रहे हैं, जो कई मामलों में बहुत अनोखे हैं, यहां तुम खूब जम कर मस्ती कर सकते हो।

जस्ट सो फेस्टिवल, चेशायर इंग्लैंड

यह फेस्टिवल किसी जादुई जंगल में आ जाने जैसा है। यहां बच्चे और उनके माता-पिता भालू, लोमड़ी और शेर के गेटअप में जंगलों में कैंपिंग करते हैं। इस उत्सव का मुख्य आकर्षण 'कहानियों का जंगल' यानी एक काल्पनिक दुनिया

है। यहां बच्चों और उनके माता- पिता को संगीत, कला और साहित्य के माध्यम से अलग-अलग किरदारों को जीने का मौका मिलता है। ट्राइबल टूर्नामेंट यहां की सबसे प्रसिद्ध परंपरा है। इसमें भाग लेने वाले लोग लोमड़ी, मेंढक, उल्लू या मछली जैसे विभिन्न 'कबीलों' में बंट जाते हैं। इस फेस्टिवल में पूरे वीकेंड तरह-तरह की प्रतियोगिताएं होती हैं। यहां रात के समय कहानी सुनना, जंगलों के बीच कलाकृतियां बनाना, लाइव म्यूजिक, डांस और थिएटर जैसी एक्टिविटीज शामिल हैं। यह फेस्टिवल इंग्लैंड के चेशायर में सुंदर उद्यानों और जंगलों में आयोजित किया जाता है, जो इसे एक परिकथा जैसा माहौल देता है। इस साल यह उत्सव 21 से 23 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। *

कैंप बेस्टिवल, डोरसेट यूके

बच्चों के लिए खास आकर्षण कैंप बेस्टिवल को विशेष रूप से 'फैमिली फ्रेंडली' फेस्टिवल माना जाता है। इस साल इसे 'सीसाइड' (समुद्र के पास) थीम के साथ मनाया जाएगा। इस बार के फेस्टिवल में बच्चों के चहेते मिस्टर टम्बल, ब्लिपी और मिस्टर मेकर लाइव शो करेंगे। साथ ही 'हॉरिबल हिस्ट्रीज' की टीम इतिहास को मजेदार अंदाज में पेश करेगी। यहां म्यूजिक के अलावा 100 से अधिक एक्टिविटीज होंगी, जिनमें सर्कस वर्कशॉप, साइंस शो, आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स और एडवेंचर स्पोर्ट्स शामिल हैं। यहां आए लोग अपनी फैमिली के साथ टेंट या लग्जरी कैंप्स में ठहर सकते हैं। यह चार दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम इस साल 30 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक यूके के डोरसेट में ऐतिहासिक लुलवर्थ कैसल मैदानों में आयोजित किया जाएगा। *

इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस फेस्टिवल ऑफ द आर्ट्स, सेंट अल्बर्ट कनाडा

यह कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के सेंट अल्बर्ट शहर में आयोजित होने वाला एक प्रतिष्ठित वार्षिक उत्सव है। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को विश्व स्तरीय कला, संगीत, थिएटर और नृत्य से रूबरू कराना है। यह मेला केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका लक्ष्य बच्चों की कल्पनाशीलता को जगाना और उन्हें सांस्कृतिक

विविधता के प्रति जागरूक करना है। यह उत्सव बच्चों के लिए किसी जादुई दुनिया से कम नहीं होता। इसमें दुनिया भर से आए कलाकार एक्रोबेटिक्स, कठपुतली शो, थिएटर और मैजिक शो पेश करते हैं। यहां बच्चे भी केवल दर्शक नहीं होते, बल्कि वे खुद कलाकार बनते हैं। मिट्टी के बर्तन बनाना, पेंटिंग, ड्रम बजाना और नृत्य जैसी कई इंटरैक्टिव वर्कशॉप आयोजित की जाती हैं। यहां की स्टर्जन नदी के किनारे खुले मैदानों में चेहरे पर पेंटिंग, गुब्बारे की कला और सड़क किनारे होने वाले करतब बच्चों का मन मोह लेते हैं। यह उत्सव कनाडा की बहुसांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है। इसमें स्वदेशी कलाकारों के प्रदर्शन और कहानियों को विशेष स्थान दिया जाता है, जिससे बच्चे अपनी जड़ों और अन्य संस्कृतियों को समझ सकें। यह उत्सव इस साल 29 मई से 1 जून तक आयोजित किया जाएगा। *

सांता क्रूज डी टेनेरिफ, कैनरी द्वीप स्पेन

स्पेन के इस द्वीप पर कार्निवल के दौरान बच्चों की अपनी अलग प्रतियोगिताएं होती हैं। छोटे बच्चों की अपनी 'क्वीन' चुनी जाती है, जो भारी और बेहद सुंदर गाउन पहनती है। यहां की 'मर्गस' नाम की संगीत मंडलियां बच्चों के लिए मजाकिया गाने गाती हैं। बच्चों के लिए खूब मौज-मस्ती भरा होता है यह फेस्टिवल। *

गोवा कार्निवल, गोवा भारत

बच्चो, अपने देश में भी कई रंग-बिरंगे और ज्वॉयफुल फेस्टिवल्स मनाए जाते हैं। गोवा कार्निवल भी किसी विदेशी फेस्टिवल से कम नहीं है। यहां हर साल एक स्थानीय व्यक्ति को 'किंग मोमो' चुना जाता है। किंग मोमो को कार्निवल्स का राजा माना जाता है। किंग मोमो के आदेश पर ही गोवा कार्निवल की शुरुआत होती है। इस मेले में सड़कों पर झांकियां निकलती हैं। बच्चे चमकीले कपड़े पहनकर सड़कों पर गिटार और ड्रम बजाते हैं। यह त्योहार हमें सिखाता है कि खुश रहना ही सबसे बड़ा उत्सव है। इस वर्ष गोवा कार्निवल 13 से 17 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। *

अनोखा जंतु / अंजू जैन

बच्चो, प्रकृति में अनोखी शारीरिक विशेषताओं से युक्त अनेक जीव-जंतु, कीट-पतंगे पाए जाते हैं। ऐसा ही एक जंतु है ओलियंडर हॉक। इसकी कई प्रजातियां पाई जाती हैं। इसकी कौन-सी विशेषताएं हैं, यह कहां-कहां पाया जाता है, जानो।

छिपने में माहिर सुंदर-आकर्षक ओलियंडर हॉक

बच्चो, दिखने में बहुत ही सुंदर और अद्भुत शारीरिक क्षमता वाला पतंगा है ओलियंडर हॉक। यह शिकारियों से छिपने की कला में बहुत माहिर होता है। इसका वैज्ञानिक नाम 'डैफनीस नेरी' है। इसे 'आक का पतंगा' भी कहा जाता है, क्योंकि इसके कैटरपिलर (लार्वा) आमतौर पर आक के पौधों पर पाए जाते हैं। इसे 'हॉक-मॉथ' या 'स्फिंक्स मॉथ' के नाम से भी जाना जाता है। इसकी लगभग 1,450 प्रजातियां पाई जाती हैं।

शारीरिक रंग-रूपः ओलियंडर हॉक के पंखों का फैलाव लगभग 9 सेंटीमीटर से 13 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि इसके रंग अलग-अलग होते हैं, लेकिन इसके पंख आमतौर पर हरे और जैतून के रंग के पैटर्न से बने होते हैं। इससे इसका रंग-रूप सैनिकों की वर्दी जैसा दिखता है। इसीलिए इसे 'आर्मी ग्रीन मॉथ' के नाम से भी जाना जाता है। इसके प्रत्येक पंख पर भूरे और सफेद रंग की धारियों वाली आंखों जैसी संरचना होती है। यह पतंगा अपनी रंग-बिरंगी खूबसूरत कैमोफ्लॉज डिजाइन के लिए जाना जाता है। इसके पंखों पर हरे, गुलाबी और सफेद पैटर्न बने होते हैं, जो इसे पत्तों के बीच छिपने में मदद करते हैं।

ओलियंडर हॉक के कैटरपिलरः आमतौर पर ओलियंडर हॉक के कैटरपिलर लाल-भूरे और काले रंग के होते हैं, जिसके पूरे शरीर पर सफेद धब्बे होते हैं। ये पुदीने जैसे हरे, लाइम ग्रीन या नीले रंग के भी होते हैं। लार्वा के शरीर पर बड़े-बड़े आंख जैसे धब्बे होते हैं, जो शिकारियों को डराने के लिए आकार में बढ़ते हैं। इसके शरीर के पिछले हिस्से पर एक मांसल सींग भी होती है, जो पीले या काले रंग की होती है। ओलियंडर हॉक में उड़ने और तेजी से मंडराने की अच्छी क्षमता होती है। एक वयस्क ओलियंडर हॉक-मॉथ का जीवनकाल लगभग 10-30 दिनों का होता है। वयस्क होने से पहले यह अंडे, लार्वा, प्यूपा जैसे विभिन्न चरणों से गुजरता है।

कहां-कहां पाया जाता हैः ओलियंडर हॉक उत्तरी अफ्रीका, एशिया और यूरोप के कई हिस्सों में मूल रूप से पाए जाते हैं। यह एक प्रवासी प्रजाति है, इसलिए यह अपने मूल क्षेत्र के बाहर भी पाया जा सकता है। यह गर्म इलाकों में रहना पसंद करता है। ये ज्यादातर समय पहाड़ियों और झाड़ियों पर बिताते हैं। ये शाम ढलने के बाद सबसे ज्यादा सक्रिय होते हैं। ये आमतौर पर मानव बस्तियों के पास रहने पर प्रकाश स्रोत की ओर आकर्षित होते हैं।

क्या है भोजनः ओलियंडर के कैटरपिलर आक के पत्तों को खाते हैं। वयस्क ओलियंडर हॉक विभिन्न फूलों के रस से अपना भोजन प्राप्त करते हैं। यह रस पीने के लिए हमिंगबर्ड की तरह फूलों के ऊपर मंडराते रहते हैं। चमेली, विंका, पेटुनिया और हनीसकल (मधुमालती) जैसे फूलों को ये विशेष रूप से पसंद करते हैं। *

बालगीत / सिराज अहमद

चाचू तफरीबाज

अपने चाचू हैं
मजाकिया थोड़े तफरीबाज
नाटक करते ऐसा
कि तुम उनको समझ न पाओ
झूठमूठ गुस्साते
फिरते, उलझन में पड़ जाओ
फिर हंसते तो
दादी बोले आ जाओ तुम बाज
कभी रात में
बनकर काला भूत डराते हमको
कभी-कभी
आंगन में यूं ही बस दौड़ाते हमको
कभी निकाले
मुंह से बंदर-बिल्ली की आवाज

छुपम-छुपाई
खेले बनकर, हम जैसे ही बच्चे
हम कहते हैं
चाचू अपने, जग में सबसे अच्छे
उनको हमसे
प्यार बहुत है, हमको उन पर नाज

बूझो तो जानें

1
तरल रूप में पाया जाऊं,
जीवन का पर्याय कहाऊं।
ठोस रूप भी मैं ले सकता,
गर्म करो तो मैं उड़ जाऊं।

2
लता में लगने वाला पत्ता,
शौक से खाया जाता।
कत्थे-चूने की परतों से,
खूब सजाया जाता।

3
चपर-चपर चरती है चारा,
मैं-मैं कर मिमियाए।
दूध बड़ा गुणकारी देती,
बोलो क्या कहलाए?

- वसीम अहमद नगरामी

उत्तर: 1. पानी, 2. पान, 3. बकरी

जीके क्विज-191

1. देश की वर्तमान वित्त मंत्री कौन हैं?
2. पुरुष हॉकी इंडिया लीग 2026 का खिताब किसने जीता है?
3. 'दिल्ली चलो' का नारा किसने दिया था?
4. 500 सिंगल्स मुकाबले जीतने वाली पहली भारतीय शटलर कौन बन गई है?
5. रात में दिखाई पड़ने वाला सबसे चमकीला तारा कौन-सा है?
6. पृथ्वीराज चौहान कहां के शासक थे?
7. स्वतंत्र भारत के पहले वित्त मंत्री कौन थे?
8. 'आनंदमठ' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?
9. सफेद सोना (व्हाइट गोल्ड) किसे कहा जाता है?
10. हीराकुंड बांध किस राज्य में स्थित है?

बच्चों, जीके क्विज-191 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-190 का उत्तर : 1.साइना नेहवाल, 2.आर्यन वार्ष्णेय, 3.राजनाथ सिंह, 4.शाहजहां, 5.शुभांशु शुक्ला, 6.पद्म विभूषण, 7.टोकोफेरॉल, 8.विटामिन डी, 9.वृहस्पति, 10.बछेंद्री पाल

जीके क्विज-190 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, रमेश-बैकुंठपुर, दारा-महासमुंद, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, श्रेया-दामोह, शुभम-बलौदा बाजार, गुंजा-रायपुर, अंकित-दुर्ग, सारिका-रायपुर, नेहा-भोपाल, ज्योति-बैकुंठपुर

घर में आदमी, गाय, कुत्ते ने साथ-साथ कैसे रहना शुरू किया, इसके पीछे बड़ी रोचक कहानी है। बच्चो, तुम भी इसको जानो।

कहानी घर, पेड़ और गाय की

कहानी

समीर गांगुली

एक घर, एक पेड़ और एक गाय तीनों अड़ोसी-पड़ोसी थे। पेड़ को रात में चलने की बीमारी थी। घर में कोई मनुष्य नहीं रहता था। वह जब-तब आवाज देकर लोगों को अपने यहां रहने के लिए बुलाया करता था। जब कोई आ जाता तो घर तरह-तरह की करतूतों से उसे डराता और रात-बेरात भगा देता था। गाय को गाने का बड़ा शौक था, वह सारा दिन अपनी धुन में गाती रहती थी। लेकिन बड़ा बेसुरा गाती थी, सो कोई उसके पास नहीं फटकता था।

बस थोड़ी दूर एक कुत्ता भी रहता था, जो दूर से ही इन तीनों की हरकतों को देखता रहता था। एक दिन खूब जोर से बारिश आई, पेड़ नाचने लगा। गाय डर कर चुप हो गई और घर ने आवाज देकर बारिश में भीगते कुत्ते को बुलाया। कुत्ता भीगता-भीगता घर के अंदर पहुंचा। घर के बीचोंबीच एक दरी बिछी थी। कुत्ता जाकर उस पर बैठ गया। उसे वहां बैठ कर बड़ा अच्छा लगा। खिड़की से नाचते पेड़ को देखा तो पेड़ ने उसे बाहर आकर नाचने का न्योता दिया। वह बाहर गया तो नहीं, मगर पेड़ का नाच उसे पसंद आया। इसके बाद गाय पर नजर पड़ी तो डरी गाय को देखकर उसकी मदद करने का मन हुआ। उसने गाय की तरफ देखकर एक लंबी सी आवाज निकाली, जिसे गाय ने कुत्ते का गाना समझा और वह भी उछल कर जोर-जोर से गाने लगी। वही बेसुरा गाना और गाते-नाचते घर के दरवाजे तक आ गई। घर धूल-मिट्टी और कबाड़ से भरा था। कुत्ते ने झाड़ियों का एक झाड़ू बनाया और घर को साफ कर दिया। इससे घर खुश हुआ, वह बोला, 'आज से हम सब दोस्त। अब हमारे सुख-दुख साझा हैं।'

कुत्ता खुश हो गया। उसे बहुत दिनों बाद किसी से बात करने का मौका मिल रहा था। वह तुरंत बोला, 'ठीक है, हमारे सुख-दुख हैं क्या?

गाय ने सिर हिलाकर कहा, 'मुझे तो पता नहीं।'

घर हंसा और बोला, 'चलो किसी आदमी को बुलाते हैं। वही हमें सुख और दुख दोनों देगा।' और फिर वे आदमी का इंतजार करने लगे। एक दिन आदमी आया और उसने घर से पूछा, 'क्या मैं यहां थोड़ी देर विश्राम कर सकता हूं? बस आज रात?'

कुत्ते ने आदमी का एक चक्कर लगाकर पूछा, 'मगर तुम्हारी गठरी में क्या है?'

आदमी बोला, 'सुख और दुख।'

यह सुनकर घर, कुत्ता और गाय एक साथ बोले, 'हां-हां, क्यों नहीं! चाहो तो हमेशा के लिए रह जाओ।' तब से आदमी, घर, कुत्ता और गाय साथ-साथ रहते हैं। सुख-दुख मिल कर सहते हैं। *

कहानी

मोहम्मद अरशद खान

एक दिन मम्मी की तबीयत बिगड़ी तो दिल्लू ने दादी की मदद से उनके लिए दलिया बनाई। अपने लिए पिज्जा ऑर्डर कर दिया। लेकिन इस ऑर्डर को उसने कैंसिल कर दिया। उसने भी मजे से दलिया खाई। आखिर दिल्लू का मन कैसे बदल गया?

दिल्लू ने बनाया दलिया

दादी को दम-आलू अच्छा लगता है। पापा को शाही पनीर बहुत पसंद है। मम्मी के लिए राजमा-चावल के आगे सब बेकार। पर दिल्लू को क्या पसंद है...? कुछ नहीं। दाल में मजा नहीं आता। गोभी अजीब लगती है। बैंगन बेकार है। लौकी-कद्दू का तो कोई नाम भी न ले। पालक, परवल, भिंडी कुछ भी अच्छा नहीं लगता।

आज मम्मी को बुखार आ रहा है। सुबह से बिस्तर पर पड़ी हुई हैं। कामवाली बुआ गांव गई हैं। उनकी बेटी की शादी है। पापा ड्यूटी गए हैं। घर पर अकेली दादी हैं। तो फिर खाना कौन बनाएगा? दिल्लू बेफिक्र है। दादी का व्रत है। इसलिए वह सिर्फ फल खाएंगी। फ्रिज में ढेर सारे फल पहले से रखे हैं। अपने लिए वह पिज्जा ऑर्डर कर लेगा। लेकिन मम्मी...? वह क्या खाएंगी? डॉक्टर ने कहा है सिर्फ हल्का-फुल्का खाना दे सकते हैं- जैसे दलिया। 'हां, यही ठीक रहेगा। मम्मी के लिए दलिया बना दूंगा। अपने लिए डबल चीज पिज्जा ऑर्डर कर देता हूं।' दिल्लू ने सोचा। लेकिन दलिया बनाना तो उसे आता नहीं। 'कोई बात नहीं दादी से पूछ लूंगा।' सोचता हुआ दिल्लू किचन में जा पहुंचा। 'सबसे पहले क्या करना होगा...?' उसने दादी को जोर से आवाज लगाते हुए पूछा।

दादी मुश्किल से चलती हुई किचन में आईं। दिल्लू उनके बैठने के लिए कुर्सी ले आया। दादी बैठती हुई बोलीं, 'सबसे पहले एक साफ पैन लेना होगा। फिर चूल्हा जलाना होगा...।' 'उफ, दादी ये सब तो मालूम है। उसके आगे बताइए।' दिल्लू चिढ़कर बोला। 'तो फिर एक कटोरी दलिया लो और पैन में हल्की आंच पर इसे भून लो।' उसके खीझने पर दादी हंसते हुए बोलीं।

दिल्लू दलिया भूनने लगा। बीच-बीच में पूछता, 'अब बस करूं?'

दादी कहतीं, 'थोड़ा और, जब खुशबू आने लगे।' 'अब आगे क्या करना है?' दलिया भूनने के बाद दिल्लू ने पूछा।

दादी ने बताया, 'अब देसी घी की छौंक लगानी है।' 'लेकिन घी कहां रखा है?' दिल्लू ने पूछा। 'ये तो मुझे भी नहीं पता, मम्मी से क्यों नहीं पूछ लेते?' दादी ने कहा। 'श... श... श... उन्हें सरप्राइज देना है।' दिल्लू ने होंठों पर अंगुली रखते हुए कहा। कई मर्तबानों के ढक्कन खोलने के बाद घी मिला। अब लौंग-इलायची ढूंढना इससे भी मुश्किल काम था। पर उसने ढूंढ निकाला। अब जरूरत थी, दूध और शक्कर की। यह ढूंढना थोड़ा आसान था। दिल्लू दलिया बनाने में कसर नहीं छोड़ना चाहता था। ताकि मम्मी को भी पता लगे, वह कितना अच्छा कुक है। अखिरकार दलिया बनकर तैयार हो गया। लेकिन इतने से काम में दिल्लू के पसीने छूट गए। हाथ जलते-जलते बचा और कपड़े भी गंदे हुए, पर वह खुश था।

'थोड़ा ठंडा हो जाने दो, फिर परोस देना।' दादी उसकी पीठ थपथपाती हुई कमरे में चली गईं। मम्मी अभी सो रही थीं। दिल्लू ने सोचा क्यों न दलिया चखकर देखा जाए। पहली बार खुद से कोई चीज बनाई है। पता नहीं कैसा स्वाद हो। मम्मी को अच्छी लगे न लगे। उसने कटोरे में दलिया निकाला। डरते-डरते एक चम्मच मुंह में रखा। स्वाद पाते ही उसका चेहरा खिल उठा। दलिया तो बहुत अच्छा बना था। 'वाह क्या स्वाद है!' एक चम्मच... दो चम्मच... तीन चम्मच... वह खाता ही रहा। 'मम्मी के लिए दोबारा बना लूंगा।' उसने सोचा।

दादी बाथरूम से लौट रही थीं। दिल्लू को देखकर बोलीं, 'तुम तो कहते थे तुम्हें दलिया पसंद नहीं है।' 'पर आज से अच्छा लगने लगा है।' दिल्लू हंसकर बोला।

'लेकिन तुमने पिज्जा ऑर्डर किया था। उसका क्या होगा?' दादी को भी हंसी आ गई। 'वह ऑर्डर तो मैंने कैंसिल कर दिया।' दिल्लू ने कहा और पैन में बचा दलिया कटोरे में उड़ेल लिया। *

रंग भरो-195

रंग भरो-195 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

सरस्वती, दिल्ली

वेदिका, कोरबा

डिपल, दुर्ग

पूर्वी, खैरागढ़

कल्पित, बालोद

श्रुति, भिवानी

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

पयोधि-अंबिकापुर, आन्या-दुर्ग, आदित्य-खैरागढ़, अनुभव-सूरजपुर, चेतन-दुर्ग, धरनी-दुर्ग, प्रतिभा-सारंगढ़ बिलाईगढ़, खुशी-रोहतक, रितेश-मटियारी, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, आकाश-बलौदा बाजार

रंग भरो 196

बच्चो, यहां एक क्यूट-से पांडा का ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।